लखनऊ, बुधवार, 26 अप्रैल 2023 | Email: starexpressnews@gmail.com | वर्ष : 16 अंक : 62 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रूपया

हिन्दी दैनिक/डिजिटल

स्टार एक्सप्रेस

सोच..... बदलते भारत की

www.starexpress.news

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के गोकक में जरकीहोली को हराने के लिए जद (एस) उम्मीदवार ने मिलाया कांग्रेस से हाथ

(एजेंसी) बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी जिले की गोकाक सीट से जद (एस) के उम्मीदवार चंदन गिद्दनवर ने पार्टी की जानकारी के बिना अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया है। उन्होंने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पूर्व मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता रमेश जरकीहोली के खिलाफकांग्रेस से हाथ मिला लिया है। घटना के बाद, जद (एस) ने उम्मीदवार को पार्टी से निष्कासित करने का फैसला किया है। अब यहां कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला है। अल्पसंख्यक वोट, जो कांग्रेस और जद (एस) के बीच बंटने की संभावना थी, अब सबसे पुरानी पार्टी को जा सकते हैं। जरकीहोली को अब हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण के लिए कड़ी मशक्कत करनी होगी। डॉ महंतेश कडाडी कांग्रेस उम्मीदवार हैं।

कोटकपूरा गोलीकांड में 2400 पेज का सप्लीमेंट्री चालान पेश

(एजेंसी) संगरूर। पंजाब के बहुचर्चित बरगाड़ी बेअदबी कांड और इससे जुड़े बहबल कलां व कोटकपूरा गोलीकांड में मंगलवार को 2400 पन्नों का सप्लीमेंट्री चालान पेश किया गया है। गोलीकांड की जांच कर रही एडीजीपी एलके यादव के नेतृत्व वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 2400 से अधिक पेजों का एक और सप्लीमेंट्री चालान मजिस्ट्रेट अजयपाल सिंह की अदालत में दाखिल किया। बताया जा रहा है कि 2400 पेज के चालान के कॉलम 4 में पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल, पूर्व डीजीपी सुमेध सिंह सैनी, सुखमंदर मान पूर्व एसएसपी फरीदकोट, गुरदीप सिंह पूर्व एस एच ओ सिटी कोटकपूरा को आरोपी बनाया गया है।

जेल में बंद मनीष सिसोदिया की पत्नी की तबीयत बिगड़ी, अपोलो अस्पताल में भर्ती

(एजेंसी) नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की पत्नी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। उनकी पत्नी सीमा सिसोदिया की अचानक तबीयत खराब होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल में एडमिट करया गया। वहीं डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ की जांच कर रही है। एक सूत्र ने कहा, सीमा सिसोदिया एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर, मल्टीपल स्केलेरोसिस रोग से पीड़ित हैं। उनकी हालत बिगड़ गई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सूत्रों ने कहा कि उन्हें इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

योगी को जान से मारने की धमकी

डायल-112 के वाट्सएप नंबर पर भेजा मैसेज

धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने किया गिरफतार

(संवाददाता)

लखनऊ। सीएम योगी को जान से मारने की धमकी देने वाले शख्स को कानपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी ने डायल 112 पर मैसेज के जरिए सीएम योगी को जान से मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी को कानपुर के बाबूपुरवा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में जुटी है। बताया जा रहा है कि मोबाइल गायब होने का प्रार्थना पत्र 2 दिन पहले आरोपी ने बाबू पुरवा थाने में दी थी। अभी तक जानकारी में पता चला है की

23 अप्रैल को किसी अज्ञात शख्स ने डॉयल-112 नंबर के वॉट्सऐप मैसेज करके धमकी दी थी।

आमीन नाम के युवक ने गर्लफ्रेंड के पिता को फंसाने के लिए मोबाइल से सीएम को जान से मार देने का मैसेज डायल 112 पर भेजा था। उसने गर्लफ्रेंड के पिता का मोबाइल चोरी किया। उसी चोरी के मोबाइल से सीएम को धमकी भरा मैसेज भेज दिया। बता दें कि 23 अप्रैल को किसी अज्ञात शख्स ने डॉयल-112 नंबर के वॉट्सऐप मैसेज करके धमकी दी थी। इसमें लिखा था- सीएम योगी को जल्द मार दूंगा। इस धमकी के बाद सीएम की सुरक्षा को लेकर एजेंसिया अलर्ट हो गई। यह पहला मौका नहीं है, जब सीएम को धमकी मिली है। इसके पहले भी सीएम को धमकी मिल चुकी है। पुलिस के मुताबिक, 23 अप्रैल की रात 8.22 बजे धमकी भरा मैसेज आया। यह मैसेज डॉयल-112 के वॉट्सऐप नंबर पर आया। मैसेज मिलते ही कम्युनिकेशन अधिकारी शिखा अवस्थी ने पुलिस को सूचना दी। धमकी भरा मैसेज जिस मोबाइल से आया। उसका नंबर- 9151400148 है। पुलिस ने मोबाइल नंबर की जांच शुरू कर दी। सीएम योगी को एक सप्ताह पहले भी फेसबुक के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई थी। ये फेसबुक पोस्ट बागपत के अमन रजा नाम के प्रोफाइल से शेयर की गई थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी शख्स को गिरफ्तार किया था। वहीं, आलमबाग निवासी देवेंद्र तिवारी को किसी अज्ञात शख्स ने चिट्ठी भेजकर सीएम पर हमले की धमकी दी थी। हालांकि, इस बारे में पुलिस अभी तक कुछ पता नहीं लगा पाई। सीएम योगी अप्रैल 2022 में वाट्सएप पर ही बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। जिसके आरोपी सरफराज को साइबर सेल ने राजस्थान के मेवात से गिरफ्तार किया था।

शहरों में सभी समस्याएं भाजपा सरकार की देन है : अखिलेश यादव

(संवाददाता)

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को नगरीय निकाय चुनाव के लिए उनकी पार्टी को वोट देने की लोगों से अपील की और शहरों की समस्याओं के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराया। सपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पार्टी प्रमुख यादव ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए मतदाताओं को सजग करते हुए कहा कि यह चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है कि आज हमारे शहरों में आबादी बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि शहरों में जितनी भी समस्याएं हैं, सब भारतीय जनता पार्टी की देन है। उन्होंने कहा, ''सबसे लंबे समय तक इन शहरों में भाजपा के महापौर रहे हैं। उदाहरण के लिए सबसे ज्यादा लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, आगरा में उन्हीं के महापौर रहे। यादव ने कहा, ''सरकार कह रही है कि ट्रिपल इंजन चाहिए, ट्रिपल इंजन तो बहुत दिनों से चल रहा है लेकिन भाजपा स्मार्ट सिटी तो नहीं बना सकी, नालियां खुली पड़ी है, गंदगी है, सड़कों पर गड्ढे हैं, गलियों में दुर्दशा है और इन सबके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। सपा प्रमुख ने कहा, ''मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए सरकार न जाने किन मुद्दों को छेड़ रही है। समाजवादियों का मानना है कि शहर साफ सुथरे बने और शहर अच्छे हो इसीलिए लोग निकाय चुनाव में जिन मुद्दों पर बहस करना चाहते हैं, हमने वह मुद्दे रखे हैं। यादव ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा, ''भ्रष्टाचार के लिए महापौरों का टिकट भाजपा ने काटा। अयोध्या में रजिस्ट्री घोटाले के लिए महापौर का टिकट काटा।'' उन्होंने कहा कि शाहजहांपुर में भाजपा को उम्मीदवार ही नहीं मिला। गौरतलब है कि भाजपा ने अपने 14 निवर्तमान महापौर में सिर्फतीन को दोबारा मौका दिया है और अयोध्या की अनारक्षित सीट होने के बावजूद निवर्तमान महापौर की जगह भाजपा ने दूसरा उम्मीदवार उतारा है। हाल में भाजपा द्वारा सोशल मीडिया पर उनके खिलाफएक गाना प्रसारित किए जाने के मामले पर अखिलेश यादव ने कहा कि यह मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए किया गया है।

श्रद्धालुओं के लिए खुले केदारनाथ धाम के कपाट, भारी बर्फबारी का अलर्ट जारी

(एजेंसी)

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट मंगलवार सुबह तीर्थयात्रियों के लिए खोल दिए गए। देश के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक के खुलने से पहले भगवान शिव के धाम को 20 क्विंटल फूलों से सजाया गया था. हालांकि, तीर्थ यात्रा मार्ग पर भारी बर्फबारी और मौसम विभाग द्वारा खराब मौसम की चेतावनी के मद्देनजर उत्तराखंड सरकार ने केदारनाथ धाम यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों से पंजीकरण आवेदन स्वीकार करना बंद कर दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने केदारनाथ धाम मार्ग पर भारी बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है. एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस सप्ताह केदारघाटी में मौसम खराब रहने की उम्मीद है। केदारघाटी में अगले एक हफ्ते तक मौसम खराब रहने का अनुमान है. मौसम विभाग के अलर्ट पर राज्य सरकार ने केदारनाथ धाम यात्रा के रजिस्ट्रेशन पर रोक लगा दी है. केदारनाथ में भारी बर्फबारी ने प्रशासन की मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। केदारनाथ पैदल मार्ग और धाम पर तीन से चार फीट की बर्फबारी और मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए केदारनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का पंजीकरण रोक दिया गया है। इस बीच, तीर्थयात्रियों का पहला जत्था शनिवार को चार धाम यात्रा के लिए हरिद्वार से रवाना हुआ। यात्रा की शुरुआत अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर यमुनोत्री धाम से हुई।

बसपा सुप्रीमो मायावती की बढ़ सकती है मुश्किलें, ताज कॉरिडोर घोटाले में सीबीआई को मिली अभियोजन की स्वीकृति

(संवाददाता)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बसपा सुप्रीमो मायावती की मुश्किलें बढ़ सकती है, क्योंकि उन पर सीबीआई ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सीबीआई ने 20 साल पुराने ताज कॉरिडोर घोटाला मामले में एक्शन लेना शुरु कर दिया है।

इस घोटाले में सीबीआई को पहली अभियोजन स्वीकृति मिली है। इसको लेकर अब एनपीसीसी के तत्कालीन एजीएम पर केस चलेगा और 22 मई को मामले में सुनवाई होगी। बता दें कि, 20 साल पुराने मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती और मंत्री रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी फंस गए है। इस मामले में अब सीबीआई एक्शन ले रही है। सीबीआई को महेंद्र शर्मा के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मिली है।

महेंद्र शर्मा नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड के तत्कालीन एजीएम थे। वर्ष 2002 में मायावती ने ताजमहल और उसके आसपास के इलाके को कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के लिए इस परियोजना की शुरुआत की थी। तब 175 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट के लिए 17 करोड़ रुपए जारी किए गए थे। इन परियोजना के खिलाफसुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हुई थी, जिसके बाद जांच हुई थी। सीबीआई ने धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, साजिश समेत तमाम धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड को इस कॉरिडोर करने का ठेका दिया गया था। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोप लगा था कि पर्यावरण मंत्रालय की हरी झंडी मिलने से पहले ही इस कॉरिडोर के लिए 17 करोड़ रुपए जारी कर दिया गया था। तब सुप्रीम कोर्ट ने 2003 में इस कॉरिडोर की पड़ताल करने के लिए आदेश दिया था। जिसके बाद सीबीआई ने इस मामले में 2007 में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। तब मायावती के साथ नसीमुद्दीन सिद्दीकी पर गंभीर आरोप लगे थे। लेकिन मायावती के मुख्यमंत्री बनते ही इस केस को चलाने की इजाजत देने से मना कर दिया गया था। इसके बाद सीबीआई कोर्ट में चल रही जांच रुक गई थी। मगर अब फिर इस मामले में सीबीआई एक्शन में आ गई है।

समलैंगिक विवाह, सुप्रीम कोर्ट में चौथे दिन हाइब्रिड मोड लागू

मुस्लिम आरक्षण खत्म करने का फैसला नौ मई तक लागू नहीं होगा, सुप्रीम कोर्ट का कर्नाटक सरकार को निर्देश

(एजेंसी)

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया कि कर्नाटक सरकार का मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने का फैसला नौ मई तक लागू नहीं होगा क्योंकि राज्य ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफऔर न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा कि मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का पिछली सरकार का फैसला नौ मई तक जारी रहेगा। नौ जुलाई को राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली दलीलों पर बिना किसी पूर्वाग्रह के, इस मामले की आगे की सुनवाई की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई शुरू होने पर कहा कि वह दिन में जवाब दाखिल करेंगे।उन्होंने पीठ से कहा, ''मैं इसे आज दाखिल करूंगा लेकिन समस्या यह है कि मैं (सॉलिसिटर जनरल) व्यक्तिगत समस्या का सामना कर रहा हूं। मुझे समलैंगिक विवाह से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही संविधान पीठ के सामने भी दलील रखनी है। कृपया इस मामले को किसी और दिन के लिए सूचीबद्ध करें। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने मेहता द्वारा स्थगन के अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि सुनवाई पहले ही चार बार टाली जा चुकी है। मेहता ने कहा कि अदालत द्वारा पारित अंतरिम आदेश पहले से ही याचिकाकर्ताओं के पक्ष में है।

दवे ने अदालत से अनुरोध किया कि वह मेहता की दलीलों को दर्ज करें कि मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म करने के आदेश को लागू नहीं किया जाएगा और 30 मार्च 2002 को जारी किया गया आरक्षण देने का आदेश सुनवाई की अगली तारीख तक लागू रहेगा। पीठ ने दवे के साथ सहमति व्यक्त की और आगे की सुनवाई के वास्ते मामले को नौ मई के लिए सूचीबद्ध किया। उच्चतम न्यायालय ने 18 अप्रैल को कर्नाटक में मुसलमानों का चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 25 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। तब भी राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से वक्त मांगा था। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई के चौथे दिन सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ के दो सदस्यों ने सुनवाई में ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा अदालत कक्ष में उपस्थित रहे जबकि न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एस आर भट ने ऑनलाइन माध्यम से सुनवाई में भाग लिया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हमारे पास आज सुनवाई के लिए हाइब्रिड संविधान पीठ होगी क्योंकि न्यायमूर्ति कौल बीमारी से उबर रहे हैं। न्यायमूर्ति भट शुक्रवार को कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। इसलिए वे वर्चुअल तरीके से शामिल हुए हैं। उन्होंने न्यायमूर्ति कौल से यह भी कहा कि अगर वह चाहें तो पीठ बीच में संक्षिप्त विराम ले लेगी ताकि वह दिन भर चलने वाली सुनवाई के दौरान कुछ राहत महसूस कर लें। मामले में चौथे दिन सुनवाई बहाल होने पर याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गीता लूथरा ने दलीलें रखीं। न्यायमूर्ति भट ने कहा कि उन्होंने देखा है कि संविधान की 'मूल संरचनाश्' की महत्वपूर्ण अवधारणा देने वाले ऐतिहासिक केशवानंद भारती मामले में पूरे फैसले समेत दस्तावेजों के चार से पांच खंड मामले में दाखिल किए गए है। सीजेआई ने पूछा, हमने सुप्रीम कोर्ट के वेब पेज पर केशवानंद भारती मामले के सभी खंड तथा उसे जुड़ा सबकुछ जारी किया है। इसे यहां किसने शामिल किया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर 20 अप्रैल को सुनवाई में कहा था कि सहमति से बने समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के बाद वह अगले कदम के रूप में शादी की विकसित होती धारणाश् को फिर से परिभाषित कर सकता है। पीठ इस दलील से सहमत नहीं थी कि विषम लैंगिकों के विपरीत समलैंगिक जोड़े अपने बच्चों की उचित देखभाल नहीं कर सकते। बहरहाल, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि समलैंगिक विवाह को मान्यता देने का अनुरोध करने वाली याचिकाएं 'शहरी संभ्रांतवादी विचारों को प्रतिबिंबित करती हैं।

इंसाफ के सिपाही पहलवानों के साथ, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने किया बड़ा ऐलान

(एजेंसी) नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों का समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा कि उनके द्वारा हाल में गठित मंच से जुड़े 'इंसाफ के सिपाही इन लोगों के साथ हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज न किए जाने का आरोप लगाने वाली सात महिला पहलवानों की याचिका पर मंगलवार को दिल्ली सरकार तथा अन्य को नोटिस जारी किए तथा कहा कि ये ''गंभीर आरोप हैं जिन पर विचार करने की आवश्यकता है। इससे पहले सिब्बल ने ट्वीट कर कहा, ''भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफयौन उत्पीड़न का आरोप लगा है।

पीएम ने तिरुवनंतपुरम से वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

पीएम मोदी ने की केरल में 3,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरूआत

(एजेंसी)

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी केरल में 3,200 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं की शुरूआत की। उन्होंने राज्य में पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के तुरंत बाद सेंट्रल स्टेडियम में परियोजनाओं का उद्घाटन किया। लॉन्च की गई परियोजनाओं में कोच्चि में देश के पहले डिजिटल साइंस पार्क और वाटर मेट्रो की आधारशिला, तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार, पलक्कड़-डिंडीगुल रेलवे लाइन का विद्युतीकरण और राज्य में रेलवे सुविधाओं के लिए कुछ अन्य विकास शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे विकास की सराहना की और कहा कि राज्य में जो कुछ भी हो रहा है वह देश में विकास को गति देगा। मोदी ने कहा, कोच्चि वाटर मेट्रो वह है, जिसे मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बनाया गया था और इसके निर्माण के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को बधाई दी और यह देश के बाकी हिस्सों के लिए एक मॉडल बनने जा रहा है और मैं इसके लिए बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में केरल को रेलवे के विकास के लिए आवंटन में भारी वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राज्य के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर अनुकूल रूप से विचार करने और इसमें भाग लेने के लिए मोदी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के बाद, मोदी तिरुवनंतपुरम हवाईअड्डे के लिए रवाना हुए, जहां से वह भारतीय वायुसेना के एक विशेष विमान से सूरत के लिए रवाना हुए और राज्य की अपनी दो दिवसीय यात्रा समाप्त की। इस बीच, विपक्ष के पूर्व नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार ने विपक्ष के नेता वी.डी.सतीसन को समारोह में आमंत्रित नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को तिरुवनंतपुरम रेलवे स्टेशन से केरल की पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। राज्य को अपनी पहली वंदे भारत ट्रेन मिलने का उत्साह पिछले एक सप्ताह से चर्चा में है। ट्रेन की पहली व्यावसायिक सेवा बुधवार को कासरगोड से शुरू होगी और 7 घंटे 50 मिनट में तिरुवनंतपुरम पहुंचेगी। तिरवनंतपुरम से कासरगोड के लिए पहली सेवा गुरुवार से शुरू होगी। ट्रेन कोल्लम, कोट्टायम, त्रिशूर, शोरनूर, कोझिकोड और कन्नूर में रुकेगी और कासरगोड में समाप्त होती है। कोच्चि पहुंचे पीएम मोदी मंगलवार सुबह तिरुवनंतपुरम रेलवे स्टेशन पहुंचे। स्कूली बच्चों के एक समूह के साथ संक्षिप्त बातचीत के बाद पीएम ने और ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। ट्रेन में 16 कोच हैं, इनमें से दो एग्जीक्यूटिव कोच हैं। हरी झंडी दिखाने के दौरान मोदी के साथ केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, स्थानीय सांसद-शशि थरूर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी 29 अप्रैल को काशी तेलुगू संगमम कार्यक्रम को करेंगे संबोधित

(एजेंसी)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आयोजित होने वाले काशी तेलुगू संगमम कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम ऐसे समय में आयोजित किया जाएगा जब बड़ी संख्या में तेलुगु भाषी तीर्थयात्री 12 दिनों तक होने वाले धार्मिक समागम गंगा पुष्कर अलू के दौरान वाराणसी पहुंच रहे हैं। भाजपा सांसद जी वी एल नरसिम्हा राव ने कहा कि तेलुगू लोगों से जुड़े आश्रमों और धर्मशालाओं का संगठन श्री काशी तेलुगू समिति 'संगमम का आयोजन कर रहा है। राव इस कार्यक्रम के समन्वयक और श्री काशी तेलुगू समिति के अध्यक्ष भी है। गंगा नदी के मानसरोवर घाट पर आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय कार्यक्रम में वाराणसी और तेलुगू भाषी लोगों की आबादी वाले दो राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच प्राचीन सभ्यतागत संबंधों को रेखांकित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। इस कवायद को दक्षिणी राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा की जड़ें मजबूत करने के मोदी के प्रयासों के हिस्से के रूप में भी देखा जा रहा है। वाराणसी ने एक महीने तक चलने वाले काशी तमिल संगमम की भी मेजबानी की थी। राव ने कहा, ''गंगा पुष्कर अलू के दौरान लाखों लोग गंगा में पवित्र स्नान के लिए और विभिन्न अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए वाराणसी पहुंच रहे हैं। यह बहुत पवित्र अवधि है। प्रधानमंत्री ऐसे हजारों तीर्थयात्रियों को संबोधित करेंगे।

संपादकीय

जाति गणना का अस्त्र

यूं तो गाहे-बगाहे विभिन्न राजनीतिक दल देश में जाति आधारित जनगणना की मांग करते रहे हैं। पहले इस मुहिम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगुवाई की। फिर राजद व द्रमुक के अलावा कई राज्यों ने भी ऐसी मांग दोहराई। लेकिन अब अपने परंपरागत स्टैंड से इतर कांग्रेस ने जाति आधारित जनगणना की मांग उठाकर सब को चौंकाया है। निस्संदेह, यह कहना कठिन है कि यह मुद्दा कितना सामाजिक सरोकारों व वंचित समाज के उत्थान से जुड़ा है, लेकिन एक बात तो साफ है यह मामला सिर्फकर्नाटक चुनाव तक ही सीमित रहने वाला नहीं है। बल्कि आसन्न आम चुनाव तक विपक्ष को एकजुट करने के लिये एक अस्त्र के रूप में प्रयोग किया जाने वाला है। यदि अतीत के पन्नों को पलटें तो जब कमंडल मुद्दा भाजपा के जनाधार को एकजुट करने का मंत्र बना तो मंडल का मुद्दा उभारा गया था। कमोबेश वही स्थितियां दोबारा दुहराई जा रही हैं। लगातार दो बार से केंद्र की सत्ता में काबिज मोदी सरकार को चुनौती देने के लिये विपक्षी एकता की जो इबारत लिखी जा रही है, उसके मूल में जाति गणना का मुद्दा सामने आया है। कर्नाटक के कोलार में गत रविवार हुई एक जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति गणना का मुद्दा उठाया था। जाहिर है यह बात उन्होंने पार्टी के थिंक टैंक की रीति-नीति के अनुरूप ही कही होगी। इसी कड़ी का दूसरा पहलू यह भी है कि इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जाति आधारित जनगणना करवाने पर जोर दिया है। कहीं न कहीं राहुल गांधी के मानहानि प्रकरण को भाजपा द्वारा पिछड़ों के अपमान के मुद्दे में तब्दील करने के बाद भी कांग्रेस डेमेज कंट्रोल में जुटी नजर आती है और भाजपा के अस्त्र से ही पलटवार करने का मन बना चुकी है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का यह स्टैंड विपक्षी एकता की कवायदों के बीच साझे मुद्दे के रूप में उछलना का भी है। बहरहाल, पलटवार करते हुए कांग्रेस नेतृत्व दलील दे रहा है कि भाजपा को यदि अन्य पिछड़ा वर्ग की इतनी चिंता है तो वर्ष 2011 में हुई जाति जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करे। दलील यह भी कि वर्ष 2011 में जाति जनगणना का निर्णय संप्रग सरकार के कार्यकाल में हुआ था। साथ ही यह भी कि तब कोशिश इसलिये सिरे नहीं चढ़ सकी थी कि क्रियान्वयन होने तक केंद्र में मोदी सरकार आ गई थी। जिसने इन आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया। जाहिर है इस मुद्दे पर पहले भी खूब राजनीति हुई और आगे भी होती रहेगी। कहना कठिन है कि कांग्रेस समेत विपक्ष का इस मुद्दे के प्रचार का मकसद वाकई पिछड़ों व वंचितों का कल्याण करना है या सिर्फअपना जनाधार बढ़ाना। कुछ लोग कांग्रेस की नीति में आये बदलाव की वजह यह भी बताते हैं ताकि कांग्रेस यह दिखा सके कि मुद्दों के मामले में वह शेष विपक्ष के साथ खड़ी है। निस्संदेह, इस मुहिम के जोर पकड़ने से भाजपा की मुश्किलें बढ़ जायेंगी। दरअसल, भाजपा सिद्धांत रूप में जाति जनगणना के पक्ष में नहीं रही है। उसे मालूम है कि देश में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल व जनता दल यूनाइटेड आदि के जनाधार का मुख्य आधार जातीय ध्रुवीकरण ही रहा है। जिसके चलते पिछड़े व वंचित वर्ग का कितना उत्थान हुआ ये कहना तो मुश्किल है, लेकिन इन दलों का परिवारवाद खूब फला-फूला है। लेकिन इतना तो तय है कि यह कवायद कालांतर आरक्षण के फार्मूले में बदलाव की मांग तक जायेगी। जातीय आधार पर गणना से सामने आने वाले आंकड़ों के जरिये विभिन्न जातियों के लिये नये सिरे से आरक्षण के निर्धारण की भी मांग उठेगी। उनकी सत्ता में भागीदारी बढ़ाने की बात कही जायेगी। लेकिन सवाल यह भी सामने आएगा कि 21वीं सदी में अमृतकाल से गुजरते देश में समतामूलक समाज के विकास का रास्ता क्या आरक्षण से होकर ही गुजरेगा? या फिर हाशिये पर गये लोगों के लिये आरक्षण को न्यायसंगत बनाने की भी पहल होगी। इस मुद्दे पर राजनीतिक चश्मे के बजाय राष्ट्रीय सरोकारों का भी ध्यान रखना होगा।

मौसम के तल्ख तेवर

आदित्य नारायण

अप्रैल माह में सूर्य के तेवर इतने तल्ख हो चुके हैं कि घरों से बाहर निकलते ही लू जैसे प्रकोप का सामना करना पड़ रहा है। उससे इस वास्तविकता को स्वीकार कर लेना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन ने हमारे जीवन पर घातक प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। मौसम वैज्ञानिकों ने पहले ही दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में लू की चेतावनी दे दी थी लेकिन बीच-बीच में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि राहत जरूर देती रही लेकिन इससे फसलों को नुक्सान हो चुका है। अब जबकि मंडियों में सरकारी खरीद के लिए गेहूं पहुंच रहा है। ऐसे में अगले कुछ दिनों में बारिश की भविष्यवाणी खुले में पड़ी फसल के लिए नुक्सानदेह ही साबित होगी। भीषण गर्मी पड़ने से गेहूं का दाना सिकुड़ जाता है और बारिश होने से फसल तबाह हो जाती है। मौसम में बदलाव प्रकृति का नियम है लेकिन यह प्रश्न विचारणीय है कि सूर्य के तेवर तो हमेशा से ही ऐसे रहे हैं लेकिन मनुष्य ने जिस तरह से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन अपने जीवन को सहज बनाने के लिए किया है उसी का खामियाजा आज हमें भुगतना पड़ रहा है। इस साल फरवरी में 122 साल बाद इतनी गर्मी पड़ी है। यह भविष्यवाणी तो काफी पहले से ही कर दी गई थी कि इस बार औसत तापमान से 5 डिग्री ज्यादा तापमान रहने वाला है। मुम्बई में तीन दिन पहले एक कार्यक्रम में इकट्ठे हुए लोगों में से 12 लोगों की मौत भीषणघ्गर्मी के चलते ही हुई है। कुछ लोग अभी भी अस्पताल में हैं। गर्मी के प्रकोप के चलते एकाएक अचानक

लोग गिरने लगे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि लोग इतनी भयंकर गर्मी को झेल पाने में सक्षम नहीं हैं। प्रशांत महासागर में पेरू के निकट समुद्री तट के गर्म होने की घटना को अल-नीनो कहा जाता है। इसकी उपस्थिति पर मौसम का मिजाज निर्भर करता है। प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से ज्यादा हो जाता है। इस बार ऐसी ही स्थिति के आसार दिख रहे हैं। अगर इतिहास की बात करें कि किस साल में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ी थी तो इसका स्पष्ट जवाब देना काफी मुश्किल है। वैसे तो हर साल गर्मी के रिकॉर्ड टूटते ही जा रहे हैं। भारत के हिसाब से देखें तो पिछले कुछ सालों में साल 2015 को सबसे गर्म साल माना जाता है। इसके पीछे दावा ये है कि इस साल देश के कई शहरों में तापमान 48 डिग्री तक चला गया था और लू का भारी आक्रमण था। माना जाता है कि दुनिया की सबसे खतरनाक लू में इस वक्त की लू का पांचवां स्थान था। इसके अलावा कई रिपोर्ट में 2010 को सबसे गर्म सालों में से माना जाता है। इसके पीछे दावा ये है कि इस साल करीब 30 दिन दिल्ली में 42 डिग्री पारा रहा था, इसे 1951 के बाद से सबसे गर्म माना जाता है। वहीं 2012 में 30 तक इतना पारा रहा था। इसके अलावा 2019 में 16, 2018 में 19, 2017 में 15, 2014 में 15, 2015 में 18 दिन पारा काफी ज्यादा रहा था। वहीं कुछ घ्रिपोर्ट में 2019 को सबसे गर्म साल माना जाता है। दरअसल इस साल राजस्थान के चुरू जैसे इलाकों में 50 से ज्यादा पारा पहुंच गया था। वहीं राजस्थान के कई शहरों में लम्बे समय तक पारा 45 डिग्री तक रहा था। एक शोध रिपोर्ट के अनुसार अब यह तथ्य प्रमाणित हो चुका है कि 1870 से लेकर आज तक भारतीय समुद्र के औसत तापमान में 1.4 डिग्री की बढ़ौतरी हो चुकी है। समुद्र का तेजी से बढ़ता तापमान और लम्बे समय तक चलने वाली समुद्री लू चलने की वजह से देश के समुद्र तटीय राज्यों में बारिश की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसका सामना कई राज्य कर रहे हैं। सन् 2000 से पहले कोई भी गर्मी की लहर लगभग 50 दिनों के भीतर खत्म हो जाती थी लेकिन अब इसका समय बढ़कर करीब 250 दिन हो चुका है। बीते साल कार्बनडाईआक्साइड उत्सर्जन में दुनिया ने रिकार्ड बनाया है। मैदानी क्षेत्रों में गर्मी की लहर तब आती है जब तापमान 40 डिग्री पार कर जाता है। पर्वतीय इलाकों में जब तापमान 30 डिग्री हो जाता है, रात का तापमान 40 से अधिक हो और तटीय इलाकों में 37 डिग्री से अधिक होता है तब गर्मी की लहर की स्थिति होती है। वर्तमान में उत्तर भारत में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक है। पहाड़ी राज्यों के निचले इलाकों में अधिकतम तापमान वृद्धि की दर 10 से 11 डिग्री दर्ज की गई है। असलियत यह है कि देश के बहुतेरे हिस्से 100 फीसदी तक बारिश के अभाव में सूखे ही रह गए। करीब आठ राज्य दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में आने वाले दिनों में तापमान में तेजी से बढ़ेगा। तापमान में यह बढ़ौतरी अल-नीनो की वापसी का नतीजा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की मानें तो अल-नीनो के तीन साल तक लगातार सक्रिय रहने के कारण दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तापमान बढ़ौतरी और बारिशघ्के चक्र की पद्धति में असाधारण रूप से बदलाव आया है। जलवायु परिवर्तन एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। इसका समाधान मनुष्य के हाथ में है। मौसम के मिजाज का असर मानव के व्यवहार पर ही पड़ता है। अगर मनुष्य मौसम के तल्ख तेवरों से बचना चाहता है तो उसे विलासिता की वस्तुएं छोड़ कर कार्बनडाईआक्साइड उत्सर्जन को कम करना होगा। उसे प्रकृति के करीब जाना होगा और पेड़ों का संरक्षण करना होगा। मनुष्य प्रकृति प्रेमी बने इससे ही जलवायु परिवर्तन का सामना किया जा सकता है। मनुष्य को चाहिए कि वह भारतीय परम्परागत जीवनशैली को अपनाए और प्रकृति के साथ जीवन जीना सीखे। अगर मनुष्य अब भी नहीं सम्भला तो फिर उसे प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना ही पड़ेगा।

बिलकिस मामला, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर सरकारें ध्यान दें

वर्ष 2002 में हुए गुजरात दंगों के दौरान मानवता को शर्मसार कर देने वाले बिलकिस बानो कांड के दो दशकों बाद भारत की शीर्ष कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों से जहां एक ओर न्याय मिलने की किरण दिखाई दे रही है, वहीं प्रशासनिक व न्यायिक ताकतों का दुरुपयोग करने वाली व्यवस्था पर जो कहा गया है, उसकी गूंज लम्बे समय तक सुनाई पड़ेगी। इस वीभत्स घटना में तब की 21 वर्षीया बिलकिस के साथ गैंगरेप हुआ था। तब वह गर्भवती थी। परिवार की 2 अन्य महिलाओं के साथ भी दुष्कर्म हुआ था। इतना ही नहीं, परिवार के 7 सदस्यों को मार डाला गया था तथा 6 अन्य आज तक लापता हैं। दाहोद के रंधिकपुरा गांव की रहने वाली बिलकिस बानो और उसके परिवार के सदस्य दंगाइयों के हाथों में पड़ गये थे जब उपद्रव फैलने के बाद वे जान बचाने के लिए छिपते फिर रहे थे। इस जघन्य कांड के 7 दोषियों को आजन्म कारावास की सजा सुनाई गई थी। एक दोषी ने इस आधार पर रिहाई की याचिका लगाई थी कि उन्होंने सजा की अधिकतम अवधि (14 वर्ष) से अधिक का समय कारावास में काट लिया है। अतरू उन्हें मुक्त किया जाये। पंचमहाल कलेक्टर की अगुवाई में एक कमेटी ने सभी को कैद-मुक्त करने की सिफारिश की थी जिसे पहले गुजरात सरकार और बाद में केन्द्र सरकार ने स्वीकार कर लिया था। इस आधार पर पिछले साल 15 अगस्त को उनकी रिहाई की घोषणा हुई थी। वैसे सजा के दौरान करीब 1000 दिन वे अलग-अलग अवधियों में पैरोल पर छूटते भी रहे थे। जब उन्हें रिहा किया गया तो इस फैसले के खिलाफ नवम्बर के महीने में बिलकिस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उनकी मांग है कि अपराध की गम्भीरता को देखते हुए दोषियों को फिर से जेल दाखिल किया जाये। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस केएम जोसेफ एवं बीवी नागरत्ना ने जो टिप्पणियां की हैं, उन्हें नजीर की तरह लिया जाना चाहिये। दोनों न्यायाधीशों ने जानना चाहा है कि दोषियों को किस आधार पर छोड़ा गया है। बचाव पक्ष के वकीलों की तमाम दलीलों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि किसी हत्या के साथ सामूहिक नरसंहार की तुलना वैसी ही है जैसी सेब के साथ संतरे की। यह एक समुदाय और समाज के खिलाफकिया गया जघन्य अपराध है। बेंच ने दोनों सरकारों को 1 मई तक अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा है। साथ ही स्पष्ट किया है कि कोर्ट इस मामले में 2 मई को अंतिम फैसला सुनाएगी। फैसला जो भी हो, कोर्ट की टिप्पणियां बेहद महत्वपूर्ण हैं जो इस बात की ओर इशारा करती हैं कि गुजरात व केन्द्र की सरकार ने अपराध की गम्भीरता को ख्याल में रखे बिना ही एक समुदाय विशेष का पक्ष लिया है। यह किसी भी सरकार द्वारा की गई न्यायपूर्ण कार्रवाई नहीं कही जा सकती। इस रिहाई से कोर्ट की नाराजगी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है जिसमें उन्होंने कहा है-दोषियों को क्यों छोड़ा? आज बिलकिस बानो हैं। कल आप और हम हो सकते हैं। कोर्ट का गुस्सा इस बात से भी झलकता है जिसमें न्यायाधीशों ने कहा कि, श्शक्तियों का इस्तेमाल जनता की भलाई में करें। इनकी रिहाई से आप क्या संदेश दे रहे हैं। अगर पंक्तियों के बीच के लिखे को पढ़ें तो साफ है कि सुप्रीम कोर्ट की यह बेंच महसूस करती है कि यह निर्णय एकतरफा हुआ है और इसमें एक खास सम्प्रदाय के खिलाफ प्रशासन व कानून की मानसिकता दिखलाई पड़ती है। सामान्यतरू आजीवन कारावास की अवधि 14

वर्षों की होती है। यह खत्म होने पर बंदी के कारावास के दौरान के व्यवहार और अपराध की गम्भीरता को ध्यान में रखते हुए ही उसे छोड़ने या ताउम्र जेल में ही रखने पर विचार किया जाता है। यह ऐसा जघन्य अपराध है कि राज्य का प्रश्रय प्राप्त न हो तो इसमें संलिप्त अपराधी को छोड़ना सम्भव ही नहीं होता। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री व वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका भी हमेशा विवादित रही है। देखना यह है कि 2 मई को याचिका पर होने वाली अंतिम सुनवाई में दोषियों को फिर से जेल दाखिल करने का आदेश दिया जाता है या नहीं? तथापि कोर्ट की टिप्पणियां व्यवस्था पर कई बड़े सवालिया निशान छोड़ जाती हैं। देखना यह भी है कि स्वयं गुजरात व केन्द्र की सरकार अपनी कार्यप्रणाली को सुधारने की कोई पहल करेगी या उसी ढर्रे पर चलती रहेगी जो ज्यादातर पक्षपातपूर्ण व दुर्भावनायुक्त होती है। वर्ष 2002 में हुए गुजरात दंगों के दौरान मानवता को शर्मसार कर देने वाले बिलकिस बानो कांड के दो दशकों बाद भारत की शीर्ष कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों से जहां एक ओर न्याय मिलने की किरण दिखाई दे रही है, वहीं प्रशासनिक व न्यायिक ताकतों का दुरुपयोग करने वाली व्यवस्था पर जो कहा गया है, उसकी गूंज लम्बे समय तक सुनाई पड़ेगी। इस वीभत्स घटना में तब की 21 वर्षीया बिलकिस के साथ गैंगरेप हुआ था। तब वह गर्भवती थी। परिवार की 2 अन्य महिलाओं के साथ भी दुष्कर्म हुआ था। इतना ही नहीं, परिवार के 7 सदस्यों को मार डाला गया था तथा 6 अन्य आज तक लापता हैं। दाहोद के रंधिकपुरा गांव की रहने वाली बिलकिस बानो और उसके परिवार के सदस्य दंगाइयों के हाथों में पड़ गये थे जब उपद्रव फैलने के बाद वे जान बचाने के लिए छिपते फिर रहे थे। इस जघन्य कांड के 7 दोषियों को आजन्म कारावास की सजा सुनाई गई थी। एक दोषी ने इस आधार पर रिहाई की याचिका लगाई थी कि उन्होंने सजा की अधिकतम अवधि (14 वर्ष) से अधिक का समय कारावास में काट लिया है। अतरू उन्हें मुक्त किया जाये। पंचमहाल कलेक्टर की अगुवाई में एक कमेटी ने सभी को कैद-मुक्त करने की सिफारिश की थी जिसे पहले गुजरात सरकार और बाद में केन्द्र सरकार ने स्वीकार कर लिया था। इस आधार पर पिछले साल 15 अगस्त को उनकी रिहाई की घोषणा हुई थी। वैसे सजा के दौरान करीब 1000 दिन वे अलग-अलग अवधियों में पैरोल पर छूटते भी रहे थे। जब उन्हें रिहा किया गया तो इस फैसले के खिलाफनवम्बर के महीने में बिलकिस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उनकी मांग है कि अपराध की गम्भीरता को देखते हुए दोषियों को फिर से जेल दाखिल किया जाये। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस केएम जोसेफ एवं बीवी नागरत्ना ने जो टिप्पणियां की हैं, उन्हें नजीर की तरह लिया जाना चाहिये। दोनों न्यायाधीशों ने जानना चाहा है कि दोषियों को किस आधार पर छोड़ा गया है। बचाव पक्ष के वकीलों की तमाम दलीलों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि किसी हत्या के साथ सामूहिक नरसंहार की तुलना वैसी ही है जैसी सेब के साथ संतरे की। यह एक समुदाय और समाज के खिलाफकिया गया जघन्य अपराध है। बेंच ने दोनों सरकारों को 1 मई तक अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा है। साथ ही स्पष्ट किया है कि कोर्ट इस मामले में 2 मई को अंतिम फैसला सुनाएगी। फैसला जो भी हो, कोर्ट की टिप्पणियां बेहद महत्वपूर्ण हैं जो इस बात की ओर इशारा करती हैं कि गुजरात व केन्द्र की सरकार ने अपराध की गम्भीरता को ख्याल में रखे बिना ही एक समुदाय विशेष का पक्ष लिया है। यह किसी भी सरकार द्वारा की गई न्यायपूर्ण कार्रवाई नहीं कही जा सकती। इस रिहाई से कोर्ट की नाराजगी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है जिसमें उन्होंने कहा है-दोषियों को क्यों छोड़ा? आज बिलकिस बानो हैं। कल आप और हम हो सकते हैं। कोर्ट का गुस्सा इस बात से भी झलकता है जिसमें न्यायाधीशों ने कहा कि, श्शक्तियों का इस्तेमाल जनता की भलाई में करें। इनकी रिहाई से आप क्या संदेश दे रहे हैं। अगर पंक्तियों के बीच के लिखे को पढ़ें तो साफहै कि सुप्रीम कोर्ट की यह बेंच महसूस करती है कि यह निर्णय एकतरफा हुआ है और इसमें एक खास सम्प्रदाय के खिलाफप्रशासन व कानून की मानसिकता दिखलाई पड़ती है। सामान्यतरू आजीवन कारावास की अवधि 14 वर्षों की होती है। यह खत्म होने पर बंदी के कारावास के दौरान के व्यवहार और अपराध की गम्भीरता को ध्यान में रखते हुए ही उसे छोड़ने या ताउम्र जेल में ही रखने पर विचार किया जाता है। यह ऐसा जघन्य अपराध है कि राज्य का प्रश्रय प्राप्त न हो तो इसमें संलिप्त अपराधी को छोड़ना सम्भव ही नहीं होता। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री व वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका भी हमेशा विवादित रही है। देखना यह है कि 2 मई को याचिका पर होने वाली अंतिम सुनवाई में दोषियों को फिर से जेल दाखिल करने का आदेश दिया जाता है या नहीं?

भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश

स्वामी विवेकानंद सदैव युवा शक्ति के प्रेरणा स्रोत रहे हैं उन्होंने कहा है की मुझे कुछ साहसी और ऊर्जावान युवा पुरुष मिल जाए, तो मैं देशभर में क्रांति ला सकता हूंस स्वतंत्रता के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी और वर्तमान से युवा ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने और उन पर सदैव भरोसा करने वाली नीतियां बनाते आए हैंस और हमेशा युवाओं पर भरोसा किया हैस स्वतंत्रता संग्राम में भी मंगल पांडे ,लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खान, राम प्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस आदि युवाओं ने अपना सब कुछ न्योछावर कर देश को आजादी दिलाई थीस स्वतंत्रता के बाद भी भारत पर पाकिस्तान और चीन ने अनावश्यक आक्रमण कर भारत पर मानसिक दबाव डालना चाहा,पर भारत के नौजवान सैनिकों ने जिस साहस और वीरता के साथ सामना कर विजय प्राप्त की थी वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं आदर्श का कार्य है। कारगिल युद्ध में भी भारत के नौजवान अधिकारी, सैनिकों ने पाकिस्तान को हराकर एक विजय गाथा लिखी थी। भारत के युवा गौरव की विजय गाथा किसी से छुपी नहीं है। भारत के युवा लोगों ने बुजुर्ग विद्वानों, दार्शनिकों और वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में देश भक्ति के अलावा अध्यात्म, धर्म,साहित्य, विज्ञान,कृषि तथा उद्योगों में पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। भारत के युवाओं ने यूरोप में अपने परिश्रम और लगन ईमानदारी से अपना परचम फैलाया है। मैक्स मूलर ने ली भारत की युवा शक्ति की सराहना करते हैं भारत को एक युवा इस निरूपित कर भविष्य की असीम संभावनाओं की ओर इंगित किया है। भारत एक युवा राष्ट्र है । आज उसमें असीम संभावनाएं अंतर्निहित हैं (वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा शक्ति को चिन्हित कर सभी युवाओं का आह्वान कर युवा शक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। और यही कारण है की भारत युवा शक्ति के साहस और संकल्प में जापान ओलंपिक 2020 में 7 मेडल लाकर एक इतिहास रचा है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी लिखा है कि देखो हमारा विश्व में कोई नहीं उपमान था, नरदेव थे हम और भारत देवलोक के समान था भारत की महान उपलब्धियों में देश की युवा शक्ति का बहुत बड़ा योगदान है। आज आई, आई, एम, आई,आई,टी, ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट तथा देश के अन्य शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े छात्र छात्राओं के शोध और अविष्कार के चलते भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवा सोच और दृढ़ संकल्प लें भारत के युवाओं में एक ऊर्जा प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान किया है। यह अलग मुद्दा है कि स्वतंत्रता के बाद हमारी शिक्षा नीति ने लाखों बेरोजगार लोगों को जन्म दिया है। बेरोजगारी के दंश ने युवा शक्ति को काफी पीछे धकेल दिया है। पर नई शिक्षा नीति के आने से युवा अपने रोजगार तलाशने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। भारत की विशाल जनसंख्या एक बड़ा रुकावट का कारण भी है। और यदि युवा संकल्प लें तो अपना निजी उद्योग और निजी व्यवसाय कर के भारत राष्ट्र को एक नई दिशा तथा सम्मार्ग प्रदान कर सकते हैं। 1979 में जयप्रकाश नारायण ने युवा शक्ति को लेकर एक बड़ा आंदोलन चलाया था। और बिहार में सत्ता परिवर्तन भी हुआ था। हरिवंश राय बच्चन ने भी अपनी कविताओं में युवाओं को समझाइश दी थी, युग का युवा मत देख दाएं बाएं, झांक मत बगले, अगर कुछ देखना है, देखअपने वे वृषभ कंधे, जिन्हें देता चुनौती, सामने तेरे खड़ा है युग का जुआ। (यहां जुआ उस लकड़ी को कहते हैं जो हल चलाने के दौरान बैलों के कंधों पर रखी जाती है) सच में देश का युवा वर्ग जाग जाए और रचनात्मक कार्यों में जुड़ जाए तो देश को समृद्ध उन्नत होने से कोई नहीं रोक सकता। हमें और हमारे युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और विवेकानंद से सीख लेकर भारत को एक नए युग की ओर ले जाना चाहिए। क्योंकि भारत का 60: युवा इस देश में युग परिवर्तन और भारत की दशा और दिशा को अभिप्रेरित कर सकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा है कि खुद वो बदलाव बनिए, जो दुनिया में आप में देखना चाहते है।

यह अधिकारों के लिए लड़ने वाला नहीं बल्कि कर्तव्यबोध से भरा भारत है

1947 के बाद स्वदेशी, स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता, भारतीय भाषाओं और भारतीय जन के सम्मान का जो समय प्रारंभ होना था वह नहीं हो पाया। लोकसेवक, जनसेवक शासक बन बैठे और उनकी मानसिकता वही थी, जो विरासत में मिली थी। इसने देश के स्वाभिमान को जगने नहीं दिया। आजादी के अमृत महोत्सव से अमृतकाल की यात्रा में देश आत्मविश्वास से भरा हुआ है। यह आत्मविश्वास 2014 के बाद हर भारतवासी में आया है जो कुछ समय पहले तक अवसाद और निराशा से घिरा था। भरोसा जगाने वाला यह समय हमें जगा कर कुछ कह गया और लोग राष्ट्रनिर्माण में अपनी भूमिका को रेखांकित और पुर्नपारिभाषित करने लगे। इस देश का कुछ नहीं हो सकता से यह देश सब कुछ कर सकता है तक हम पहुंचे हैं। यह साधारण नहीं है कि कल तक राजनीतिक-प्रशासनिक जड़ता, निर्णयहीनता, नकारात्मक राजनीति और अवसाद से घिरा भारत अवसरों के जनतंत्र में बदलता दिख रहा है। यह आकांक्षावान भारत है, उम्मीदों से घिरा भारत है, अपने सपनों की ओर दौड़ लगाता भारत है। लक्ष्यनिष्ठ भारत है, कर्तव्यनिष्ठ भारत है। यह सिर्फअधिकारों के लिए लड़ने वाला नहीं बल्कि कर्तव्यबोध से भरा भारत है।सही मायनों में यह भारत का समय है। भारत में बैठकर शायद कम महसूस हो किंतु दुनिया के ताकतवर देशों में जाकर भारत की शक्ति और उसके बारे में की जा रही बातें महसूसी जा सकती हैं। सांप-संपेरों के देश की कहानियां अब पुरानी बातें हैं। भारत पांचवीं बड़ी आर्थिक ताकत के रूप में विश्व मंच पर अपनी गाथा स्वयं कह रहा है। अर्थव्यवस्था,भू-राजनीति, कूटनीति, डिजिटलीकरण से लेकर मनोरंजन के मंच पर सफलता की कहानियां कह रहा है। सबसे ज्यादा आबादी के साथ हम सर्वाधिक संभावनाओं वाले देश भी बन गए हैं, जिसकी क्षमताओं का दोहन होना अभी शेष है। भारत के 1 अरब लोग नौजवान यानि 35 साल से कम आयु के हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, जलवायु परिवर्तन के लिए किए जा प्रयासों, कोविड के विरुद्ध जुटाई गई व्यवस्थाएं, जी-20 के अध्यक्ष के नाते मिले अवसर, जीवंत लोकतंत्र, स्वतंत्र मीडिया हमें खास बनाते हैं। चुनौतियों से जूझने की क्षमता भारत दिखा चुका है। संकटों से पार पाने की संकल्प शक्ति वह व्यक्त कर चुका है। अब बात है उसके सर्वश्रेष्ठ होने की। अव्वल होने की। दुनिया को कुछ देने की। निश्चित यह सब कुछ इतना आसान नहीं था। नौकरशाही की जड़ता, राजनीति के सीमित पांच साला लक्ष्य, समाज में फैली गैरबराबरी और असमानता, क्षेत्रीयता,जातीयता की भावनाओं में बंटा समाज लक्ष्यों में बाधक था और आज भी कमोबेश ये संकट बने हुए हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय मंच पर आगमन के साथ सारा कुछ बदल गया है। आम आदमी सरकारी प्रयासों के साथ देश के व्यापक लोकतंत्रीकरण में सहायक बना है। भारत सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ साफ्ट पावर में भी अग्रणी बना है। स्थान-स्थान पर भारतीय प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें सम्मानित करने का क्रम भी जारी है जिससे भारत की आत्मा जाग रही है। आप पिछले कुछ सालों में पद्म सम्मानों की सूची का अवलोकन करें तो आपका मन गर्व से भर जाएगा और एक नए भारत को बनता हुआ देख पाएंगें। दिल्ली से निकल देश की संभावनाएं छोटे शहरों और गांवों तक ले जाने के व्यापक प्रयास सब तरफदिखने लगे हैं। छोटे शहर अपनी संभावनाओं को तलाश रहे हैं, गांव संसाधनों का केंद्र बनने के लिए व्यग्र हैं। नीतिगत फैसलों में गति लाकर देश का चेहरा बदलने के ये प्रयास साधारण नहीं हैं। प्रधानमंत्री इस परिघटना को बहुत उम्मीद से देखते हैं। श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि- श्भारत ने आज जो कुछ हासिल किया है, वह हमारे लोकतंत्र की ताकत, हमारे संस्थानों की ताकत की वजह से संभव हो पाया है। दुनिया देख सकती है कि भारत में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुयी सरकार निर्णायक फैसले ले रही है। हमने दुनिया को दिखा दिया है लोकतंत्र कितना फलदायी हो सकता है। नीयत से बदलती नीतियां - परिवर्तन को रोका नहीं जा सकता। यह नैसर्गिक है। किंतु परिवर्तन या बदलाव की दिशा जरूर तय की जा सकती है। सकारात्मक दृष्टिकोण से किए गए काम हमेशा परिणाम देते हैं और उनसे समाज को दिशा मिलती है। बहुत पुरातन और गौरवशाली राष्ट्र होने के बाद भी हमें अपनी कमियों से लगातार आक्रमण, गुलामी और संघर्ष का समय देखना पड़ा। बावजूद इसके 'चिति' स्वतंत्र रही। राज और समाज की दूरी ने समाज के आत्मसम्मान और स्वाभिमान को चुकने नहीं दिया। अत्याचार और विदेशी शासकों के दमन के विरूद्ध भारत का संघर्ष जारी रहा।

‘‘प्रधानमंत्री’’ का अधिकारियों को पुरस्कृत एवं संबोधित बयान संविधान विरुद्ध : प्रमोद तिवारी

संवाददाता

लखनऊ। प्रमोद तिवारी सांसद, उप नेता, राज्य सभा एवं सदस्य, स्टीयरिंग कमेटी ने कहा है कि सबसे बड़े निर्वाचित लोकतन्त्र के पद ‘‘प्रधानमंत्री’’ के पद पर आसीन नरेन्द्र मोदी ने अधिकारियों को पुरस्कृत एवं संबोधित करते हुये जो बयान दिया है वह संविधान विरुद्ध है। लोकतन्त्र की इमारत चार स्तम्भों पर टिकी है। जिनमें चारों की अपनी स्वायत्ता व अधिकार है। कार्य पालिका निर्वाचित सरकार के आधीन कार्य करती है और निर्वाचित सरकार के हर संवैधानिक निर्देश एवं आदेश का पालन करती है।कार्यपालिका, मंत्रि परिषद, संसद और विधान सभा के प्रति जवाबदेह होती है, यही लोकतन्त्र की मूल भावना है। वहीं प्रधानमंत्री अधिकारियों से कह रहे

हैं कि ‘‘निर्वाचित सरकारों के काम काज पर नजर रखें’’। वह ऐसा कार्य न करें जिसे करना निर्वाचित सरकारों के प्रति अधिकारियों का संवैधानिक कर्तव्य है। अर्थात जनादेश में निर्वाचित सरकारों की जनता के प्रति संवैधानिक बचन बद्धता पर कार्य पालिका को मात्र नजर रखने को ही नहीं कह रहे हैं बल्कि ऐसे कार्यक्रमों पर रोक लगाने का भी संदेश दे रहे हैं। श्री तिवारी ने कहा है कि प्रधानमंत्री यह लोकतनत्र में नहीं बल्कि तानाशाही में होता है। निर्वाचित सरकारों द्वारा जनता से किये गये वायदों को पूरा करना होता है, यही जनादेश है और यही संविधान की मूल भावना है। प्रधानमंत्री जी! आपका निर्देश लोकतनत्र की मूल भावना के विरुद्ध है। कृपया इसका स्पष्टीकरण अवश्य दें, जिससे केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकारों की स्वायत्ता बनी रहे, और संघीय ढाँचा अपना कर्तव्य पालन कर सके । केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकार के अपने-अपने अधिकार हैं। श्री तिवारी ने कहा हे कि बिहार के मुख्यमन्त्री नितीश कुमार, और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेष के पूर्व मुख्यमन्त्री अखिलेश यादव की मुलाकात का स्वागत किया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, यू.पी.ए. चेयरपर्सन सोनिया गाँधी एवं राहुल गाँधी से मिलने के बाद अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमन्त्री ममता बनर्जी से नितीश कुमार का मिलना उसी चर्चा और वार्ता को आगे बढ़ाना है कि आगामी लोक सभा चुनाव में भारतीय जनतापार्टी के खिलाफसभी विपक्षी दल एक ही प्रत्याषी उतारें, सीटों का गठबन्धन हो।वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में भारतीय जनतापार्टी को 32 प्रतिशत से कम मत मिले थे, और वर्ष 2019 के लोक सभा चुनाव में लगभग 38प्रतिशत मत भा.ज.पा. को मिले थे। यदि वर्ष 2024 के लोक सभा चुनाव में देश का 62 प्रतिशत मतदाता भा.ज.पा. के विरुद्ध एक मंच पर आ जाते हैं तो भारतीय जनतापार्टी 100 सीटों से नीचे आ जायेगी। और यदि 5. 6 प्रतिशत मतदाता विपक्षी गठबन्धन से अलग भी रहते हैं तो भी 52. 53 प्रतिशत मत पाकर दो तिहाई बहुमत के साथ गैर भा.ज.पा. सरकार बन जायेगी श्री तिवारी ने बिहार के मुख्यमन्त्री नितीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमन्त्री ममता बनर्जी जी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मुलाकात के सार्थक परिणामों के लिये शुभकामनायें दी है। श्री तिवारी ने कहा है कि कर्नाटक चुनाव धीरे-धीरे एकतरफा हो चला है, जिस प्रकार भारतीय जनतापार्टी के पूर्व मुख्यमन्त्री, एवं पूर्व उप मुख्यमन्त्री सहित दर्जनों पूर्व विधायकों ने भा.ज.पा. छोंड़कर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं वह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि सामने दीवार पर लिखी पराजय को देखकर भा.ज.पा. रूपी डूबते जहाज से एक-एक लोग अलग हो रहे हैं। आखिर पूर्व मुख्यमन्त्री, पूर्व उप मुख्यमन्त्री और पूर्व विधायकों से अधिक इसका रुख किसको पता होगा।

भाजपा ने हमेशा नफरत और आस्था से खिलवाड़ की राजनीति की है : संजय

संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह ने रविवार से चुनाव प्रचार लखनऊ से शुरू कर दिया। आप मेयर प्रत्याशी अंजू भट्ट के साथ नूर सिद्धकी राजीव गांधी प्रथम वार्ड प्रथम रेखा चतुर्वेदी विद्या वती तृतीय वार्ड, डॉ राजेश कुमार सरोजनी नगर द्वितीय और विद्यावती प्रथम से किरण वर्मा के समर्थन में जनता से वोट की अपील करते हुए कहा नगर निगम में एक ईमानदार और काम करने वाली सरकार बनाने के लिए आम आदमी पार्टी को वोट करें।जनता को संबोधित करते हुए सांसद संजय सिंह ने कहा कि आज जिस तरह से देश में नफरत का माहौल है हमें उस माहौल पर झाड़ू चलाने की जरूरत है। वर्तमान सरकार ने केवल आपस में बांटने और नफरत की राजनीति की है जिसे समाप्त कर हमें जोड़ने

की राजनीति करनी है। पार्लियामेंट में वह झाड़ू चलाने का काम कर रहे हैं लेकिन जनता के मध्य जो समस्याएं हैं, गंदगी है भ्रष्टाचार व्याप्त है उस पर उन्हें आम आदमी पार्टी का साथ देते हुए खुद झाड़ू चलाने का काम करना है। आम आदमी पार्टी जो वादा करती है उसे पूरा करती है जैसे दिल्ली और पंजाब में अब तक किया। आज यही वादा हम लखनऊ में कर रहे हैं कि मेयर प्रत्याशी अंजू भट्ट को विजय बनाइए ताकि हम अपना वादा पूरा कर सकें। हम हाउस टैक्स हाफकरेंगे वाटर टैक्स माफकरेंगे यहां तक कि हाउस टैक्स का जितना भी पिछला बकाया है उसके बिल को आप फाड़ कर फेंक दीजिएगा क्योंकि वह पूर्ण रूप से माफकर दिया जाएगा। उत्तरप्रदेश है और यहां से हम प्रधानमंत्री मोदी को संदेश देना चाहते हैं कि यहां हिंदू मुस्लिम की दुकान को बंद करके नफरतों पर झाड़ू चलाकर हम एकता का संदेश देंगे।सांसद संजय सिंह ने ललकारते हुए कहा कि बंद करो हिंदू मुसलमान की राजनीति क्योंकि अब आम आदमी पार्टी अपने उच्च सिद्धांतों के साथ जनता के मध्य है जो बिजली, पानी, स्वास्थ्य, चिकित्सा, यातायात, महिला सुरक्षा, सस्ते पेट्रोल डीजल, सस्ते दैनिक प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की राजनीति करती है ताकि यह देश उन्नति करें हिंदू भी तरक्की करें और मुसलमान भी तरक्की करें। जिस हिंदू धर्म की भाजपा बात करती है वह हिंदू धर्म है ही नहीं क्योंकि हम हिंदू धर्म में पढ़ते हैं वसुदेव कुटुंबकम अर्थात पूरा संसार एक परिवार है।

आई.बी.टी. टेस्ट के गणित विषय में 100 परसेन्टाइल के , साथ सी.एम.एस. छात्र को विश्व में प्रथम रैंक

संवाददाता, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस के कक्षा-7 के छात्र उद्भव तिवारी ने इण्टरनेशनल बेन्चमार्क टेस्ट (आई.बी.टी.) के अन्तर्गत गणित विषय में 100 परसेन्टाइल के साथ विश्व में प्रथम रैंक अर्जित कर देश का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि हेतु उद्भव ‘सार्टिफिक्रेट ऑफ ऑनर’ प्रदान कर सम्मानित किया गया है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने इस मेधावी छात्र को आशीर्वाद देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उक्त जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता आस्ट्रेलियन काउन्सिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च (ए.सी.ई.आर.) के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हुई, जिसमें लगभग 17 देशों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा, देश भर के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के हजारों छात्रों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर अपने ज्ञान-विज्ञान का प्रदर्शन किया। इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में सी.एम.एस. के इस मेधावी छात्र ने अपने ज्ञान-विज्ञान व मेधात्व के दम पर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि आस्ट्रेलियन काउन्सिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च (ए.सी.ई.आर.) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों की प्रतिभा का आकलन करता है एवं आई.बी.टी. टेस्ट किसी भी देश के पाठ्यक्रम के बजाय मूलत: छात्रों की प्रतिभा व कौशल पर आधारित होते हैं। सी.एम.एस. का लगातार यही प्रयास है कि विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारा एवं प्रोत्साहित किया जाए।

यूपी के एटा की गोशाला का बुराहाल

चारा न पानी, भूख और प्यास से तड़पकर पांच गोवंशों ने दम तोड़ा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एटा में गोवंशों की स्थित गोशालाओं में दिनों दिन खराब होती जा रही है। उनको चारा-पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है। इसकी वजह से गोवंश दम तोड़ रहे हैं। इसी तरह के हालात वृहद गोशाला भदुआ में बने हुए हैं।यहां तीन दिन में भूख-प्यास से पांच गोवंशों ने दम तोड़ दिया। सोशल मीडिया पर शासन तक शिकायतें पहुंचाई गईं। मृत गोवंशों के वीडियो वायरल किए गए। इस पर रविवार को पुलिस व अन्य अधिकारियों ने पहुंचकर गोवंशों को गड्ढा खुदवाकर गड़वाया। वृहद गोशाला भदुआ का संचालन पिछले वर्ष 2022 में ही किया गया है। यहां पर वर्तमान में 230 गोवंशों का संरक्षण किया जा रहा है। चारा-पानी ठीक से न मिलने से गोवंश काफी कमजोर हो गए हैं। यहां तीन दिन में

पांच गोवंशों की मौत हो चुकी है। इनमें से रविवार की सुबह तीन गोवंशों ने दम तोड़ा है। जबकि शुक्रवार रात दो गोवंशों की मौत हुई थी। तीन मृत गोवंश गोशाला में पड़े हुए थे। इन्हें वहां से हटवाने दोपहर तक कोई नहीं पहुंचा। किसी ने इनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शासन स्तर के अधिकारियों तक पहुंचा दिया। गोवंशों के चारा पानी की व्यवस्था की जिम्मेदारी बीडीओ, एडीओ पंचायत, पंचायत सचिव और प्रधानों को सौंपी गई है। यहां पर अव्यवस्थाएं हावी होने के चलते गोवंश दम तोड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर ट्विट होने के बाद संबंधित विभागीय व अन्य अधिकारी रविवार को जागे। गोशाला में मृत पड़े तीन गोवंशों को जेसीबी से गड्ढा खोद कर दबाया गया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को भांप कर गोवंशों को दबाने में सहयोग किया। थानाध्यक्ष दिनेश सिंह ने बताया कि गोशाला में गोवंशों के मृत पड़े होने की सूचना मिली थी। इसके बाद अपने अधिकारियों के साथ ही संबंधित विभागों को बताया गया। कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और गोवंशों को जेसीबी मुहैया कराकर दबाया गया।सीवीओ डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बताया कि वृहद गोशाला में रविवार को तीन और शुक्रवार की रात दो गोवंशों की मौत हुई है। सूचना मिलने पर गोशाला पहुंचकर निरीक्षण किया गया। यहां पर चारा पानी की व्यवस्थाएं अच्छी नहीं पाई गईं। अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। सीवीओ ने बताया कि गोशाला में 4 केयर टेकर हैं। इनमें से एक को ग्रामीणों ने पूर्व में पीट दिया था। इसकी वजह से केयर टेकरों में दहशत है। वह ठीक से काम भी नहीं कर पा रहे हैं। इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस व अधिकारियों से नहीं की थी। निरीक्षण के दौरान केयरटेकरों ने पिटाई करने की बात बताई है।विश्व हिंदू परिषद विभागध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान ने कहा कि जिले के अधिकारी प्रदेश सरकार को बदनाम करने में जुटे हुए हैं। मैंने एक अखबार के माध्यम से जाना था कि पांच ब्लॉक अलीगंज, सकीट, अबागढ, जलेसर, निधौली कलां निराश्रित गोवंशों से मुक्त होने का दावा किया गया है। लेकिन विश्व हिंदू परिषद की टीम ने शनिवार को सकीट क्षेत्र का भ्रमण किया तो निराश्रित गोवंश सड़कों पर घूमते पाए गए। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अधीनस्थों द्वारा फर्जी रिपोर्ट करके प्रशासन को गुमराह किया जा रहा है।

पंचायती राज दिवस नर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता, लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा आज पंचायती राज दिवस के उपलक्ष्य में एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग की छात्राओं ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता कराने का उद्देश्य छात्राओं में स्थानीय प्रशासन के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ाना और इसका आने वाले निकाय चुनाव मे मतदान की उपयोगिता समझना है इसके साथ ही पंचायती राज की शुरूवात, 73वा 74वा संविधान संशोधन, और इसकी उपयोगिता एवं महिला नेतृत्व जैसे अनेक विषयों पर छात्राओ ने अपनी बात रखी। कार्यक्रम मे डा. आभा दुबे एवं मिस नेहा यादव भी शामिल हुई तथा कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. गीताली रस्तोगी व डॉ. ज्योत्सना गौतम एवं मिस दीक्षा ने किया।

कानपुर के कांग्रेसियों का लखनऊ में बवाल, टिकट के लिए हंगामा

संवाददाता, लखनऊ। कानपुर के कांग्रेसियों के बीच पार्षद के टिकट को लेकर घमासान मचा है। कानपुर के कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में डेरा डाल दिया और देर रात तक जमकर हंगामा किया। प्रांतीय अध्यक्ष की गाड़ी के आगे लेट गए। घर के बाहर हंगामा और गाली-गलौज किया। इसके बाद सोमवार सुबह कांग्रेस ने 90 प्रत्याशियों की सूची जारी की है। 20 विवादित वार्ड की सूचियों को अभी होल्ड कर दिया है। प्रदेश के नेता इस पर मंथन कर रहे हैं। कानपुर में भाजपा और सपा ने पार्षद प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। लेकिन, कांग्रेस में इतनी घमासान मची है कि अभी तक पूरे प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं कर सके हैं। कानपुर के कांग्रेसी कार्यकर्ता और

नेता रविवार रात प्रदेश कार्यालय पहुंचे और जमकर हंगामा काटा। इतना ही नहीं प्रांतीय अध्यक्ष अनिल यादव की गाड़ी के आगे कार्यकर्ता लेट गए और बोले कि ये ठीक नहीं है। उनके साथ नाइंसाफी की जा रही है। इसके बाद सुबह भी प्रांतीय अध्यक्ष के घर के बाहर हंगामा और गाली-गलौज किया। काफी जद्दोजहद के बाद कांग्रेस 90 प्रत्याशियों की सूची जारी कर सकी। 20 वार्ड के प्रत्याशियों की सूची होल्ड कर दी है। अभी भी कानपुर से लेकर प्रदेश कार्यालय के बीच इन 20 वार्ड के प्रत्याशियों की सूची जारी करने को लेकर हंगामा मचा है। निकाय चुनाव में सोमवार को नामांकन का आखिरी दिन है। इसके चलते कार्यकर्ताओं और नेताओं में बेचैनी बढ़ी थी। अभी भी जिन 20 वार्ड की सूची जारी नहीं हुई है। उन वार्ड के प्रत्याशी और पांच साल से पार्टी की ओर से तैयारी कर रहे कार्यकर्ता टिकट के लिए जूझ रहे हैं। कांग्रेस ने कानपुर से पार्षद पद के लिए प्रत्याशियों की घोषणा सोमवार सुबह कर दी। भीतरघात और विरोध से बचने के लिए कांग्रेस ने नामांकन के आखिरी दिन प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की। ये भी तय माना जा रहा था कि भाजपा की लिस्ट जारी होने के बाद ही कांग्रेस अपनी लिस्ट जारी करेगी। प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने लिस्ट जारी की है।

भाजपा ने बाहरी उम्मीदवारों पर भरोसा जताया

ज्यादातर निवर्तमान महापौर को दोबारा मौका नहीं

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश में दो चरणों में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के लिए नगर निगम के अपने सभी महापौर उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिये हैं। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा ने बाहरी नेता पर भरोसा जताने के साथ ही ज्यादातर निवर्तमान महापौरों को दोबारा मौका नहीं दिया है। राज्य में 17 नगर निगमों के महापौर पद के लिए उम्मीदवार तय करते हुए भाजपा ने शाहजहांपुर नगर निगम से अर्चना वर्मा को अपना प्रत्याशी घोषित किया। महापौर पद के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से घोषित उम्मीदवार अर्चना वर्मा के सपा छोड़कर भाजपा में शामिल होने के महज चार घंटे बाद ही पार्टी ने रविवार को उन्हें अपना प्रत्याशी

घोषित कर दिया। वहीं, अयोध्या के निवर्तमान महापौर का टिकट काट दिया गया। तीसरी बार महापौर बनने के प्रयास में लगीं प्रयागराज की निवर्तमान महापौर और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी अभिलाषा गुप्ता को भी भाजपा ने मौका नहीं दिया। वहीं, राजधानी लखनऊ में निवर्तमान महापौर संयुक्ष्ता भाटिया भी दोबारा मौका नहीं पा सकीं। भाजपा राज्य मुख्यालय ने रविवार की रात सात नगर निगमों के महापौर और पार्षद प्रत्याशियों समेत दूसरे चरण में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के लिए नगर पालिका परिषद के अध्यक्षों के उम्मीदवारों के नाम घोषित किये, जबकि क्षेत्रीय स्तर पर नगर पंचायत अध्यक्ष व सभासद प्रत्याशियों के नाम घोषित किये गये। रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने दूसरे चरण के चुनाव के जिन सात नगर निगमों के महापौर उम्मीदवारों के नाम घोषित किये, इनमें शाहजहांपुर से अर्चना वर्मा, अयोध्या से गिरिशपती त्रिपाठी, कानपुर से प्रमिला पांडेय, गाजियाबाद से सुनीता दयाल, अलीगढ़ से प्रशांत सिंघल और बरेली से उमेश गौतम को उम्मीदवार बनाया गया है। शाहजहांपुर से सपा की महापौर पद की उम्मीदवार अर्चना वर्मा रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गयीं। इसके बाद भाजपा ने उन्हें शाहजहांपुर से ही महापौर पद के लिए टिकट दे दिया। रविवार को राज्य भाजपा मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अर्चना वर्मा को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराने के बाद कहा कि पार्टी के केंद्रीय और राज्य नेतृत्व ने फैसला किया है कि वे अर्चना वर्मा को पार्टी की सदस्यता देंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अर्चना के ससुर राममूर्ति वर्मा चार बार विधायक (तीन बार शाहजहांपुर के जलालाबाद क्षेत्र से और एक बार ददरौल से) रहे। वह शाहजहांपुर (1996) से एक बार सांसद भी रहे। अयोध्या के निवर्तमान महापौर ऋषिकेश उपाध्याय को मौका न देकर पार्टी ने गिरिशपती त्रिपाठी पर दांव लगाया। त्रिपाठी अयोध्या के एक मंदिर के महंत हैं। अनारक्षित बरेली सीट से निवर्तमान महापौर उमेश गौतम और कानपुर नगर निगम की निवर्तमान महापौर प्रमिला पांडेय को भाजपा ने दोबारा मौका दिया है। इससे पहले 16 अप्रैल को पहले चरण के 10 महापौर उम्मीदवारों की सूची जारी करते हुए भाजपा ने सिर्फ मुरादाबाद के निवर्तमान महापौर विनोद अग्रवाल को दोबारा मौका दिया और बाकी नौ नगर निगमों में चेहरे बदल दिये। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि महापौर की कई सीटों पर आरक्षण में बदलाव होने की वजह से उम्मीदवार बदले गये और कुछ जगह नये लोगों को मौका दिया गया। इससे पहले 16 अप्रैल को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने पहले चरण के नगर निगम महापौर के 10 प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए प्रयागराज से मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी को टिकट नहीं देकर उनकी जगह उमेश चंद्र केसरवानी को चुनाव मैदान में उतारा है।

यूपी निकाय चुनाव से पहले बीजेपी ने लांच किया कैंपेन सॉन्ग.. गुंडे पुकारते हैं अखिलेश आइए...

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के लिए 4 मई और 11 मई को मतदान होना है। जिसे लेकर एक तरफतो सभी पार्टियां जोरों-शोरों से चुनाव प्रचार करती हुई नजर आ रही हैं। वहीं, दूसरी तरफविपक्ष को नीचा दिखाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसी के चलते यूपी बीजेपी के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से एक वीडियो को ट्वीट किया गया है। जिसके जरिए बीजेपी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा है। वीडियो में यूपी बीजेपी की तरफसे एक नया कैंपेन सॉन्ग गुंडे पुकारते हैं अखिलेश आइए लॉन्च किया गया है। बता दें कि चुनाव से पहले पार्टियों में होने वाली दंगल शुरू हो चुकी है। इस बात को साबित करता हुआ एक वीडियो सामने आया है। जिसे यूपी बीजेपी के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया गया है। इस वीडियो में यूपी बीजेपी द्वारा एक सॉन्ग के जरिए अखिलेश यादव पर निशाना साधा गया है। इस गाने में मुजफ्फरनगर दंगों, महिलाओं के खिलाफअपराध, मुख्तार और उमेश पाल हत्याकांड जिक्र किया गया है। बताया जा रहा है कि चुनाव में प्रचार वाहनों पर इस सॉन्ग को दिखाया जाएगा। इस गाने के बोल हैं, गुंडे पुकारते हैं अखिलेश आइए, दंगों में फिर यूपी को वापस जलाइए। यूपी को जिसने लूटा, वो नेता तुम्हीं तो थे। जेपी के सपने तोड़ दिए, वो बेटे तुम्हीं तो थे। एक बार फिर से टोंटी चुराइए। गुंडे पुकारते हैं अखिलेश आइए। यूपी बीजेपी के ट्विटर हैंडल से पोस्ट किया गया वीडियो करीब 4 मिनट का है। जिसमें भाजपा ने समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला है। इसमें अपराधियों और माफियाओं को समाजवादी पार्टी की सरकार में आरक्षण मिलने की बातें भी कही गई है। बता दें कि इस वीडियो गाने में अखिलेश यादव के साथ ही अतीक अहमद को दिखाया गया। पार्टी सूत्रों की मानें तो बीजेपी नगर निकाय चुनाव में लोगों के बीच जाकर सपा और अतीक अहमद के कनेक्शन याद दिलाना चाहती है। इसलिए नगर चुनाव में बीजेपी के एलईडी प्रचार वाहनों पर भी इस वीडियो गीत को दिखाए जाने की संभावना है।

अखिलेश आइए, जनता पुकारती है... खुशहाली और विकास का सूरज उगाइए : शिवपाल

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अखिलेश यादव पर बनाए गए कैंपेन सॉन्ग पर समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने ट्विटर पर ट्वीट कर कहा है कि, भाजपा आज सड़कछाप गुंडों की भाषा की प्रतीक व किसी का भी चरित्र हनन करने वाली पाठशाला बन गई है। सपा की जड़ों में लोकतंत्र, समता और एकता के मूल्य बहुत गहरे हैं। तमाम जुल्मों और षड्यंत्रों के बावजूद हम उठ खड़े होंगे। साथ ही उन्होंने भी बीजेपी के गाने का जवाब देते हुए कहा, अखिलेश आइए, जनता पुकारती है...खुशहाली और विकास का सूरज उगाइए। बता दें कि, प्रदेश में होने वाले नगर निकाय चुनाव से पहले राजनीतिक पार्टियों में दंगल शुरू हो चुकी है। सभी पार्टियां एक दूसरे

को नीचा दिखाने में लगी है। इस बात को साबित करता हुआ एक वीडियो सामने आया है। जिसे यूपी बीजेपी के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया गया है। इस वीडियो में यूपी बीजेपी द्वारा एक सॉन्ग के जरिए अखिलेश यादव पर निशाना साधा गया है। इस गाने में मुजफ्फरनगर दंगों, महिलाओं के खिलाफअपराध, मुख्तार और उमेश पाल हत्याकांड जिक्र किया गया है। बताया जा रहा है कि चुनाव में प्रचार वाहनों पर इस सॉन्ग को दिखाया जाएगा। इस गाने के बोल हैं, गुंडे पुकारते हैं अखिलेश आइए, दंगों में फिर यूपी को वापस जलाइए। यूपी को जिसने लूटा, वो नेता तुम्हीं तो थे। जेपी के सपने तोड़ दिए, वो बेटे तुम्हीं तो थे। एक बार फिर से टोंटी चुराइए। गुंडे पुकारते हैं अखिलेश आइए।यूपी बीजेपी के ट्विटर हैंडल से पोस्ट किया गया वीडियो करीब 4 मिनट का है। जिसमें भाजपा ने समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला है। इसमें अपराधियों और माफियाओं को समाजवादी पार्टी की सरकार में आरक्षण मिलने की बातें भी कही गई है। बता दें कि इस वीडियो गाने में अखिलेश यादव के साथ ही अतीक अहमद को दिखाया गया। पार्टी सूत्रों की मानें तो बीजेपी नगर निकाय चुनाव में लोगों के बीच जाकर सपा और अतीक अहमद के कनेक्शन याद दिलाना चाहती है। इसलिए नगर चुनाव में बीजेपी के एलईडी प्रचार वाहनों पर भी इस वीडियो गीत को दिखाए जाने की संभावना है।

राज्यपाल ने डॉ0 शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को राजभवन से ऑनलाइन सम्बोधित किया

संवाददाता, लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ डॉ0 शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा विशेष बच्चों के संदर्भ में ‘‘राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 - प्रारम्भिक बाल्यावस्था हस्तक्षेप, देखभाल और समावेशी शिक्षा‘‘ विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को राजभवन से ऑनलाइन सम्बोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बुनियादी शिक्षा बच्चों के भावी जीवन की आधारशिला होती है। उन्होंने समर्थ समाज और राष्ट्र के लिए शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण बताते हुए बाल्यावस्था से ही अच्छी शिक्षा का प्रयास करने को कहा। राज्यपाल जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षकों के प्रशिक्षण व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि जब शिक्षक सीखता है तो देश आगे बढ़ता है। उन्होंने इसके अंतर्गत बाल्यकाल की शिक्षा हेतु और वैज्ञानिक आधार पर शिक्षण व्यवस्था को भी विस्तार से

बताया। अपने सम्बोधन में राज्यपाल जी ने बाल्यावस्था में बालकों की मूलभूत आवश्यकताओं, स्नेहपूर्ण व्यवहार और रूचिपूर्ण पौष्टिक भोजन का ध्यान रखने को भी कहा। उन्होंने कहा कि बच्चे की शिक्षा गर्भ के क्षण से ही प्रारम्भ हो जाती है। इस संदर्भ मं उन्होंने महाभारत काल में अभिमन्यु द्वारा गर्भ में ही चक्रव्यूह भेदने की शिक्षा ग्रहण करने का का उल्लेख करते हुए शिशुओं की संस्कार आधारित शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिशुओं को समय-समय पर वार्तालाप के अवसर भी देने चाहिए, वार्तालाप से उनकी आंतरिक प्रतिभा सामने आती है। राज्यपाल जी ने विश्वास व्यक्त किया की इस संगोष्ठी के आयोजन से दिव्यांगों एवं प्रारम्भिक बाल्यावस्था हस्तक्षेप देखभाल और समावेशी शिक्षा में वंचित वर्गों के शैक्षिक पुनर्वास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण को एक नई दिशा प्राप्त होगी। आज संगोष्ठी के प्रथम दिन के सत्र में प्रो0 रजनी रंजन सिंह, अधिष्ठाता विशेष शिक्षा संकाय एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी निदेशक तथा प्रो0 मजहर आसिफआचार्य जे0एन0यू0, नई दिल्ली के साथ-साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आर0 के0 पी0 सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी का शुभारम्भ मटकी में जलधारा प्रावाहित कर जल संरक्षण के संदेश से किया गया। इसके साथ ही पेड़ पर घोंसला बांधकर गौरैया संरक्षण का संदेश भी समारोह में दिया गया।

ओडीएफ : राज मिस्त्रियों को कराया स्थलीय प्रशिक्षण

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

महेवा, इटावा। महेवा विकास खण्ड क्षेत्र अन्तर्गत स्वच्छता कार्यक्रम के तहत विभिन्न ग्राम क्षेत्रों में काम करने वाले राज मिस्त्रियों को स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत ओडीएफप्लस हेतु पंचायती राज विभाग द्वारा स्थालीय प्रशिक्षण दिया गया जिसके तहत उन्हें शौकपिट निर्माण,खाद के गड्ढे के निर्माण व आरआरसी सेंटर निर्माण के बारे में बताया गया। स्वच्छता कार्यक्रम के जिला समन्वयक अनुराग बाजपेई के नेतृत्व में व सहायक विकास महेवा पँचायत अधिकारी श्याम वरन राजपूत की देख-रेख में करीब आधा सैकड़ा राज मिस्त्रियों को ग्राम निवाड़ी कला में स्थालीय प्रशिक्षण दिलाया गया। इस अवसर पर खण्ड प्रेरक मीनाक्षी चौहान, मनजीत सिंह,सचिव बब्बू राजा, प्रधान प्रतिनिधि धीरज कुमार, जे0ई0 कुलदीप सिंह,अंशुमान, अनुराग, अर्जुन सिंह आदि मौजूद रहे।

हाईस्कूल में अश्वनी, इंटर में अर्चिता ने किया जिला टॉप

96.67 और 95.60 प्रतिशत अंक लाकर हासिल किया मुकाम, मेहनत का मिला परिणाम

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

बहराइच। जिले में मंगलवार दोपहर हाईस्कूल व इंटर मीडिएट का रिजल्ट जारी कर दिया गया। हाईस्कूल में सराय मेहराबाद के डॉ. आरएमएलबीएसएस स्कूल के अवश्नी कुमार वर्मा ने 96.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉप किया। वहीं इंटरमीडिएट में बाल शिक्षा निकेतन की अर्चिता यज्ञसैनी 95.60 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में शीर्ष पर रहीं। जिला टॉप करने पर दोनों मेधावियों को उनके परिजनों ने मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं।माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा में इस बार जिले के 67, 098 परीक्षार्थी शमिल हुए थे। हाईस्कूल में 3,8644 तो वहीं इंटरमीडिएट में 2,6454 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। मंगलवार को बोर्ड की ओर से परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। इस बार हाईस्कूल में 600 में 580 अंक लाकर अश्विनी वर्मा ने टॉप किया। वहीं 579 अंक पाकर बाल शिक्षा निकेतन की आर्वतिका सिंह व जगतराम प्रेमा देवी इंटर कॉलेज की रिया यादव संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर रहीं।सरस्वती विद्या मंदिर के शिवांश पांडेय, सरदार पटेल इंटर कॉलेज के दिव्यांश पाठक व एस प्रसाद कॉलेज सेमरहना के आकाश कुशवाहा 576 अंकों के साथ संयुक्त रुप से तीसरे स्थान पर रहे। वहीं इंटरमीडिएट में बाल शिक्षा निकेतन की छात्रा अर्चिता यज्ञसैनी ने 500 में 478 अंक लाकर जिला टॉप किया।सर्वोदय ?इंटर कॉलेज मिहींपुरवा की आंचल कुमारी, खुशी मदेशिया, सिटी मान्टेसरी की इरतिका फातिमा व एमबी विद्यापीठ के सचिन गौतम 469 अंकों के साथ संयुक्त रुप से दूसरे स्थान पर रहे। बाल शिक्षा निकेतन की शुभी श्रीवास्तव ने 466 अंक हासिल कर जिले में तीसरा स्थान हासिल किया।

मेधावी छात्र-छात्राओं ने किया नाम रोशन

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

भरथना, इटावा। माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा घोषित किये गये हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के परीक्षा परिणाम में नगर की शिक्षण संस्थाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट अंक पाकर विद्यालय समेत माता-पिता व क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। मंगलवार को जारी परीक्षा परिणाम के चलते कस्बा के शुक्लागंज स्थित ज्ञान स्थली एकेडमी में हाईस्कूल में दृष्टि सिंह ने 600 में 567 अंक पाकर 94.50 प्रतिशत पर प्रथम स्थान,आकांक्षा ने 600 में 564 प्राप्तांक पर द्वितीय साथ प्राप्त किया है, जबकि भरथना के एस के वी इंटर कालेज की छात्रा कु0दिव्या पाल ने 600 में 563 अंक पाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। साथ ही वैष्णवी ने 558 अंक प्राप्त कर चौथा स्थान पाया है। साथ ही इण्टरमीडिएट में रेखा ने 500 में 468 अंक पाकर प्रथम,मुस्कान ने 466 अंक पाकर द्वितीय, राशि ने 461 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्था के प्रधानाचार्य शैलेन्द्र कुमार व सुनील राजपूत ने सभी मेधावियों का माल्यार्पण व मिष्ठान खिलाकर उत्साहवर्धन किया। साथ ही कस्बा के सरोजनी रोड स्थित पेरामाउण्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल के हाईस्कूल के घोषित हुए परीक्षा परिणाम में ओंकार तिवारी ने 600 में 526 प्राप्तांक पर प्रथम, अभिनव पाठक ने 525 अंक पाकर द्वितीय स्थान पर अपना कब्जा जमाया। वहीं भरथना के बालोदय इण्टर कॉलेज में हाईस्कूल में श्रद्धा पोरवाल ने 81.83 प्रतिशत पर प्रथम, अरूण कुमार ने 79.66 प्रतिशत पर द्वितीय, शिवानी यादव ने 78.33 प्रतिशत पर तृतीय स्थान व इण्टरमीडिएट में 82.66 प्रतिशत आयुष कुमार ने प्रथम, 80.60 प्रतिशत पर पीयूष ने द्वितीय, 80.40 प्रतिशत पर राघव सिंह ने विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा नगर के मुहल्ला यादव नगर में संचालित बीएल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की हाईस्कूल में अध्ययनरत छात्रा कु0निधि यादव पुत्री नन्दकिशोर ने 600 में 564 प्राप्तांक पर 94 प्रतिशत अंक प्राप्त करके शिक्षा के क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखा। छात्रा की इस सफलता पर विद्यालय संचालक योगेश कुमार,राजेश कुमार, शिक्षक बलराम सिंह,नरेश चन्द्र आदि ने शुभकामनायें व बधाई दी हैं।

डीएम ने गेहूं क्रय केन्द्र का किया निरीक्षण

बोले- किसानों से मिलकर खरीदा जाए अधिक से अधिक गेंहू

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

बहराइच। जिले में गेहूं क्रय केन्द्र का जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने निरीक्षण किया। कृषि उत्पादन मण्डी समिति कैसरगंज में संचालित क्रय एजेन्सी खाद्य एवं विपणन विभाग के गेहूं क्रय केन्द्र का जायजा लिया।डीएम ने निरीक्षण के दौरान गेहूं की खरीद तथा क्रय केन्द्र पर कृषकों को प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। वहां मौजूद कृषकों से फीड बैक भी प्राप्त किया। क्रय केन्द्र के निरीक्षण के दौरान केन्द्र प्रभारी क्षेत्रीय विपणन अधिकारी कमलेश कुमार उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के समय केन्द्र पर ग्राम कहरई निवासी कृषक धर्मराज यादव के उपज की तौल की जा रही थी।केन्द्र प्रभारी द्वारा जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र को बताया कि अब तक 2 किसानों से 130 कुण्टल गेहूं की खरीद की गई है। किसानों को पब्लिक फ्ड़ मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से भुगतान की कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि किसानों से सम्पर्क कर अधिक से अधिक गेहूं की खरीद की जाए।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा, उप जिलाधिकारी कैसरगंज महेश कुमार कैथल, तहसीलदार अजय यादव, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कैसरगंज शिवम द्विवेदी, थानाध्यक्ष कैसरगंज ददन सिंह व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

दिव्या की आईएएस बनने की तमन्ना

संवाददाता, भरथना के जवाहर रोड स्थित शिक्षण संस्था एस ए वी इण्टर कालेज की छात्रा कु0दिव्या पाल पुत्री विनोद कुमार पाल ने हाईस्कूल में 600 में 563 प्राप्तांक पर 93.84 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। छात्रा की इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रधानाचार्य शैलेन्द्र कुमार सहित शिक्षक पिता विनोद कुमार पाल व ग्रहणी माता नीरू देवी पाल ने गहरी प्रसन्नता जाहिर करके कु0 दिव्या पाल को निरन्तर उन्नति के पथ पर अग्रसर रहने की शुभकामनायें दीं हैं,दिव्या पाल ने इस सफलता के लिए गुरूजनों समेत माता-पिता का श्रेय बताते हुए आईएएस बनकर राष्ट्र और समाज की सेवा करने की इच्छा जाहिर की है।

मन की बात कार्यक्रम में सम्मानित होंगे बीडीओ महसी

कल्याणी नदी के पुनरोद्धार और कोरोना काल में श्रमिकों को रोजगार से जोड़ने पर पीएम किए थे प्रशंसा

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

बहराइच। 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री के मन की बात के 100वें कार्यक्रम पर खंड विकास अधिकारी महसी को सम्मानित किया जाएगा। गृह मंत्री की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए खंड विकास अधिकारी को प्रसार भारती की ओर से बुलावा पत्र भेजा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मन की बात करते हैं। मन की बात का 100 वां एपिसोड 30 अप्रैल को प्रसारित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देश के गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे। 26 अप्रैल को दिल्ली में विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर देश के 20 चुनिंदा लोगों को सम्मानित किया जायेगा। आईएएस गौरव द्विवेदी की ओर से भेजा गया बुलावा पत्र इन 20 लोगों में बहराइच जिले के महसी विकास खंड में तैनात खंड विकास अधिकारी हेमंत कुमार यादव भी शामिल हैं। इसके लिए बीडीओ को प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आईएएस गौरव द्विवेदी की ओर से बुलावा पत्र भेजा गया है। वहीं खंड विकास अधिकारी ने बताया कि 25 अप्रैल से 30 अप्रैल तक आयोजित मन की बात कार्यक्रम में कर्तव्य पथ, राष्ट्रपति भवन, पीएम संग्रहालय, लाल किला, योगा सत्र, महात्मा गांधी संग्रहालय एपिसोड की स्क्रीनिंग में बीडीओ शामिल होंगे। खंड विकास अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बात करते हुए बताया कि बाराबंकी जिले में 2 वर्ष पूर्व तैनाती के दौरान कल्याणी नदी के पुनरुद्धार किया गया था। साथ ही कोरोना काल में परदेश से लौटे श्रमिकों को मनरेगा योजना से जोड़कर रोजगार की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए गए थे। जिसके चलते सरकार की ओर से उन्हें डिजिटल मैन भी बनाया गया था।

प्रधानमंत्री कर चुके हैं सराहना

जिले के विकास खंड महसी में तैनात खंड विकास अधिकारी हेमंत कुमार यादव की प्रशंसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर चुके हैं। बीडीओ ने बताया कि 28 जून 2020 को आयोजित मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने उनके कार्य की सराहना की थी। जिसका प्रसारण रेडियो पर किया गया था।

दूषित पानी में पनपते हैं मलेरिया के मच्छर

जनपद में मंगलवार को मनाया गया विश्व मलेरिया दिवस, गोष्ठी कर जनपदवासियों को मलेरिया के बारे में किया गया जागरूक

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

बहराइच। जिला मलेरिया अधिकारी प्रेम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि मच्छरों का प्रकोप पहले सिर्फ बारिश के दौरान और बारिश के बाद दिखता था जबकि अब 2-3 महीने छोड़ दीजिए तो पूरे साल ही दिखते हैं। इसलिए आवश्यकता पड़ने पर मलेरिया रोकने के लिए अब फॉगिंग का कार्य पूरे साल चलेगा। साथ ही हमारी स्वास्थ्य टीमें सर्वाधिक मच्छर वाले इलाकों को चिन्हित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि इस बार विश्व मलेरिया दिवस की थीम शून्य मलेरिया देने का समय रू निवेश, नवाचार, कार्यान्वयन है। इस थीम का उद्देश्य वैश्विक उन्मूलन लक्ष्यों को प्राप्त करने में नवाचार की ओर ध्यान आकर्षित करना और उनको जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करना है। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्ष 2021 में 35625 लोगों की जांच की गयी , जिसमें कोई मरीज नहीं मिला और वर्ष 2022 में 59362 लोगों की जांच की गईं जिसमें 4 मरीज मिले। इस वर्ष अब तक 16692 लोगों की जांच की गई है। इसमें एक मरीज मलेरिया ग्रस्त पाया गया है। फाइलेरिया इंस्पेक्टर विमल कुमार ने बताया कि वर्तमान में संचालित संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को नष्ट कराया जा रहा है। एंटी लार्वा का छिड़काव तथा फागिंग भी कराया जा रहा है। इस कार्य में नगर विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मलेरिया की जांच व उपचार की सुविधा जिला मुख्यालय के अलावा सभी सीएचसीध्पीएचसी पर उपलब्ध है। शासन के निर्देशानुसार आशा कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्र में जाकर रोगी की पहचान कर रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) किट से त्वरित जांच कर रही हैं। इसके लिए समस्त आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित भी किया गया है। जांच में मलेरिया धनात्मक पाए जाने पर जल्द से जल्द रोगी का निरूशुल्क पूर्ण उपचार किया जाएगा। इस अवसर पर मलेरिया,फाइलेरिया कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

हफ्ते भर में अंडा बन जाता है मच्छर

मलेरिया का प्रसार मादा एनोफिलीस मच्छर के काटने से होता है। एक अंडे से मच्छर बनने की प्रक्रिया में पूरा एक सप्ताह का समय लगता है। इस कारण सप्ताह में एक बार एंटीलार्वा का छिड़काव किया जाता है। यदि किसी जलपात्र में पानी है तो उसे सप्ताह में एक बार जरूर खाली कर दें। जैसे कूलर, गमला, टीन का डिब्बा, नारियल का खोल, डिब्बा, फ्रिज के पीछे का डीफ्रास्ट ट्रे की सफाई हमेशा करते रहना आवश्यक है। मलेरिया से संक्रमित व्यक्ति का समय से इलाज शुरू होने पर जान जाने का खतरा कम हो जाता है।

क्या करें

मलेरिया से बचाव के लिए रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। आसपास दूषित पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। साफ-सफाई रखनी चाहिए। बुखार होने पर तत्काल आशा से संपर्क करें या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर परामर्श लें। सही समय पर निदान उपचार होने से रोगी पूर्णत: स्वस्थ हो जाता है।

निर्दल प्रत्याशी के रूप में युवा समाजसेवी अनिल कुमार सिंह (एडवोकेट) ने सभासद पद के लिए किया नामांकन

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

सुल्तानपुर! नगर पालिका सुल्तानपुर (सीताकुंड वार्ड नं0 20) से युवा समाजसेवी अनिल कुमार सिंह (एडवोकेट)ने निर्दलीय प्रत्याशी के सभासद पद हेतु कलेक्ट्रेट परिसर सुल्तानपुर में नामांकन किया बताते चलें की युवा समाजसेवी अनिल कुमार सिंह पाँच साल के पहले अपने वार्ड में बिना भेदभाव एवं जाति, पाति के जनता की सेवा करतें आ रहें हैं और हर कार्यक्रम में अनिल कुमार सिंह बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं इनका लक्ष्य है समाजसेवा करना एवं वार्ड के लोग चाहे छोटे हो या बड़े सबका सम्मान करते रहते हैं और सीताकुंड सीट अनारक्षित होने पर पहली बार निर्दल प्रत्याशी के रूप में नामंकन किया है जनता ने पूरे विश्वास के साथ जिताने का भरोसा दिया है एवं वार्ड में बिना कोई पद के लाईट और पानी जैसे वार्ड में कोई जानवर बीमार पडी़ हो या किसी व्यक्ति को ब्लैड जरूरत पड़ने पर अन्य कार्य करवाने का काम करते रहते हैं अब तक अपने माध्यम से कई लोगो की मदद कर चुके हैं और खुद अपना ब्लैड देकर 8 बार डोनेट किए हैं इनका कहना है सीताकुंडधाम की जनता ने अपना आशीर्वाद दिया तो सेवा और विकास में पूर्ण सहयोग करेंगे द्य सबके कार्यों को अपना समझ लग्न और मेहनत से करना मेरी जिम्मेदारी होगी।

गलती हो जाए तो प्रायश्चित जरूर करें : स्वामी राममुनिश्वर

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

बहराइच। जरवल रोड के घाघरा घाट में गोपीनाथ मिश्रा के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन अयोध्या से आए कथा व्यास राममुनिश्वर दास महाराज ने कहा कि मनुष्य से गलती हो जाना बड़ी बात नहीं। लेकिन ऐसा होने पर समय रहते सुधार और प्रायश्चित जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो गलती पाप की श्रेणी में आ जाती है। कथा व्यास ने पांडवों के जीवन में होने वाली श्रीकृष्ण की कृपा को बड़े ही सुंदर ढंग से दर्शाया। कहा कि परीक्षित कलियुग के प्रभाव के कारण ऋषि से श्रापित हो जाते हैं। उसी के पश्चाताप में वह शुकदेव जी के पास जाते हैं। भक्ति एक ऐसा उत्तम निवेश है, जो जीवन में परेशानियों का उत्तम समाधान देती है। साथ ही जीवन के बाद मोक्ष भी सुनिश्चित करती है।कथा व्यास ने कहा कि द्वापर युग में धर्मराज युधिष्ठिर ने सूर्यदेव की उपासना कर अक्षयपात्र की प्राप्ति किया। हमारे पूर्वजों ने सदैव पृथ्वी का पूजन व रक्षण किया। इसके बदले प्रकृति ने मानव का रक्षण किया। भागवत के श्रोता के अंदर जिज्ञासा और श्रद्धा होनी चाहिए। परमात्मा दिखाई नहीं देता है वह हर किसी में बसता है। इस दौरान बावन बाबा कुटिया के महंत आचार्य कृष्ण कुमार मिश्र उर्फ केला महराज,गोपीनाथ मिश्रा, पंडित देवीदत्त महराज,संदीप मिश्रा,रमन शुक्ला, उमेश गुप्ता प्रधान,मनीष कश्यप, विजय गुप्ता उर्फपप्पू ,रवि पाठक, डा कुलदीप मिश्रा,महेश चन्द्र रिंकू मिश्रा समेत काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नगर निकाय में खड़े प्रत्याशियों के समर्थन में सीएम योगी ने की जनसभा

स्थानीय मुद्दों पर एक भी शज़्द नहीं बोल पाए योगी

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

रायबरेली। नगर निकाय के चुनाव में जिले के अपने सभी प्रत्याशियों को जीताने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने शहर के जीआईसी मैदान में विशाल जनसभा की। जनसभा को संबोधित करने के बाद उन्होंने एक नगरपालिका और नौ नगर पंचायतों के प्रत्याशियों को जनता के बीच में दिखाकर सभी को जिताकर पार्टी को मजबूत करने की बात कही। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार से प्रदेश का विकास हो रहा है। नगर क्षेत्र में रहने वाले गरीबों को सरकार की तरफसे पक्की छत उपलब्ध कराई जा रही है। डबल इंजन की सरकार ने 5400000 लोगों को आवास उपलब्ध कराएं हैं दो करोड़ 54 लाख लोगों को शौचालय मिले हैं। हमने बिना किसी भेदभाव के सरकारी करोड़ों लोगों को नौकरी दी और योजना का लाभ हमने पहुंचाने का काम किया है। आज महिलाएं सुरक्षित है दिन रात को गर्व से घूम सकती हैं। क्योंकि अब यूपी के लोग यह भी गर्व से कह सकते हैं कि हम यूपी के हैं पहले नही कह पाते थे। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश ऋषि मुनियों का देश है। यहां पर शुरू से ही इनका सम्मान होता रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश का मौहाल पूरी तरह से बदल चुका है। उन्होंने आज ही उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा परिषद के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के घोषित हुए परिणाम में छात्र छात्राओं बधाई देते हुए कहा कि अब यूपी में परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ में कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। अब हमने नेपाल से जुड़ी हुई सड़क को बिहार से झारखंड, छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश, राजस्थान से हरियाणा, उत्तराखंड के दिल्ली पूर्वांचल को जोड़ने के लिए एक्सप्रेस वे धरातल पर लाए हैं। इसके अलावा जिलों के खास प्रोडेक्ट को पहचान दिलाने के लिए हमारी सरकार की तरफ से वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट को भी शुरू किया है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं भी बेहतर की जा रही है, इसके अलावा धार्मिक स्थलों की स्थिति को मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के तहत सुधारा जा रहा है। जनसभा में आए लोगों से उन्होंने अपील की कि आप लोग सभी दस प्रत्याशियों को जीताकर पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आपको अगर अपने नगर का विकास करना है तो फिर आपको भाजपा सरकार को चुनना होगा। उन्होंने कहा कि सभी प्रत्याशी आपके निकाय को विकास के पथ पर ला देंगे। उन्होंने कहा कि पहले नगर क्षेत्र में रेहड़ी लगाने वाले व्यापारियों से वसूली की जाती थी, लेकिन अब वह सब बंद हो गई है। पटरियों पर दुकान लगाने वाले विक्रेताओं को सरकार की तरफसे एक स्थायी जगह उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि नगर के विकास हेतु हमारी सरकार की तरफसे कई योजनाएं संचालित की जा रही है, आप अपने यहां से भाजपा के प्रत्याशी को जीताकर भेजिए और श्नगर की सरकारश् से बेहतर काम कराइए। जनसभा को नगरपालिका में अध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी शालिनी कन्नौजिया, स्वतंत्र प्रभार मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, प्रभारी मंत्री प्रभा शुक्ला, विधायक अदिति सिंह, अशोक कोरी और उमेश द्विवेदी ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रामदेव पाल, रंजना चौधरी, विजय रस्तोगी, रमेश सिंह, किरण सिंह, पंकज मुराकरा सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएचसी पर मनाया सुरक्षित मातृत्व दिवस

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महेवा, इटावा। महेवा कस्बा स्थित सीएचसी पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया जिसके अन्तर्गत एक सैकड़ा से अधिक गर्भवती महिलाओं की विभिन्न प्रकार की जाँच कर उन्हें फ्लू और दवाई भी वितरित की गई। अधीक्षक सीएचसी डॉ0 गौरव त्रिपाठी के निर्देशन में महिला चिकित्सक डॉ0 अंकिता,डॉ0अनीता ने खून,बीपी,बजन आदि की जाँच कर सलाह दी गई, साथ ही सभी महिलाओं को निशुल्क दवाएं उपलब्द कराई गईं। इस अवसर पर मौजूद 122 मरीजों को फ्लों का वितरण किया गया। डॉ0त्रिपाठी ने बताया कि गर्भवती माताओं को प्रसव तक स्वस्थ रहने तथा बच्चे के स्वास्थ्य को भी ठीक रखने के लिये गुड़,अंकुरित चना,दाल,आदि उचित मात्रा में लेना चाहिये ताकि जरूरी पोषक तत्व मिल सके। इस अवसर पर बीपीएम डॉ0दिलीप अग्रहरि, स्टाफ नर्स गायत्री देवी, शहनाज, अनुजा, नितेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

अंशिका सोनी को मिला सातवां स्थान

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुलतानपुर। रामराजी सरस्वती बालिका इंटर कॉलेज शाहगंज सुलतानपुर मे अध्ययनरत हाई स्कूल की छात्रा अंशिका सोनी ने 582 अंक प्राप्त कर प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त कर जिले ही नहीं प्रदेश में भी गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है ।

हाई स्कूल मे अंशिका सोनी 97आस्था 93खुशी दुबे 91गरिमा मिश्रा 90.8 पूर्वा सिंह 86.1मंतशा खान 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बेहतरीन प्रदर्शन किया ।

इंटरमीडिएट में शिवांगी प्रजापति 84.2,वैष्णवी 82.6पार्थवी श्रीवास्तव 81.6दीप्ति मौर्या 81.6शिवांगी सिंह79. 8प्रिया गुप्ता 79.6रिचा यादव 78.8दीक्षा वर्मा 78 शालिनी 78 प्रतिशत अंक हासिल किया है । विद्यालय के प्रबन्धिका सुमन सिंह ने विद्यालय के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सभी छात्राओं अध्यापक अध्यापकों को बधाई दी है । प्रधानाचार्य रेखा सिंह ने मेधावी छात्रा की परिवार सहित सभी छात्राओं को बधाई देते हुए आगे भी अच्छा प्रदर्शन करने की सलाह दी है । विद्यालय अध्यक्षा पल्लवी वर्मा ,प्रबन्धिका सुमन सिंह,प्रधानाचार्य रेखा सिंह, रोली श्रीवास्तव मंजुला गुप्ता सुप्रिया श्रीवास्तव सुप्रिया, मीना त्रिपाठी, नरेंद्र चौहान, रजनी शुक्ला, कंचन सिंह, कीर्ति सिंह , नमिता अग्रहरि, दयाशंकर गुप्ता, प्रदीप कुमार आदि ने बधाईयाँ दी है।

किराए की महिलाओं के सहारे चल रहा है सभी पार्टियों का प्रचार प्रसार

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। वर्तमान में चल रहे नगर पंचायत चुनाव में महराज गंज नगर पंचायत में हर पार्टी के प्रचार प्रसार का जिम्मा किराए की महिलाओं के ऊपर निर्भर है। न शिक्षा न किसी प्रकार का ज्ञान फिर भी ये महिलाएं हाथ में अपनी पार्टी की प्रचार सामग्री सिर पर पार्टी की टोपी लगाए हर मुहल्ले हर गली में प्रचार करते हुए मिल जायेगी। आश्चर्य तो तब होता है जब वही महिला एक दिन भाजपा के लिए वोट मागती है तो दूसरे दिन सपा के लिए यही नही इनके पास बस रटा रटाया एक शब्द है भइया कमल को वोट देना भइया साइकिल को वोट देना। लेकिन क्यों देना ये समझाने की क्षमता इनमें नहीं है। मात्र कांग्रेस पार्टी की अगुवाई कर रही प्रदेश महासचिव शुशील पासी के छोटे भाई की पत्नी मीरा रावत ही शिक्षित तेज तर्रार काग्रेस की स्टार प्रचारक जैसी महिला हैं जिनका काफ्लिा जिधर से गुजरता है तो दूर से ही पता चल जाता है की ये काग्रेस का जत्था आ रहा है साथ ही श्रीमती रावत हर मतदाता को काग्रेस की रीति और नीति समझा कर अपने पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित भी करती है।शेष महिलाओ का प्रचार तो वही कहावत चरितार्थ किए है की वर मरे या कन्या पंडित को तो टका से मतलब ।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर प्रधान हुए सम्मानित

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महेवा, इटावा। गत दिवस 24 अप्रैल को जनपद मुख्यालय स्थित विकास भवन सभागार में राष्ट्रीय पँचायती राज दिवस के अवसर पर ब्लॉक क्षेत्र महेवा की दो महिला ग्राम प्रधानों को मुख्य विकास अधिकारी व जिला पँचायत राज अधिकारी द्वारा सयुंक्त रूप से सम्मानित किया गया। महिला प्रधानों के सम्मानित होने पर ब्लॉक के प्रधानों सहित अन्य सम्भ्रांत व्यक्तियों द्वारा हर्ष जताकर बधाई दी है ।

क्षेत्र की ग्राम पँचायत लालपुर की प्रधान प्रीती शुक्ला पत्नी बंटू शुक्ला को दीन दयाल उपाध्याय पँचायत सतत विकास पुरुस्कार के तहत स्वच्छ एवम हरित गाँव का पुरुस्कार प्राप्त हुआ। मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों ने प्रधान प्रीती शुक्ला को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। ग्राम पँचायत नसीरपुर –बोझा को गरीबी मुक्त और आजीविका उन्नत गाँव तथा बाल हितेषी गाँव का पुरुस्कार दिया गया। मुख्यविकास अधिकारी दीन दयाल तथा जिला पँचायत राज अधिकारी बनवारी सिंह ने प्रधान आंकाक्षा अवस्थी पत्नी सोमहरी अवस्थी को प्रमाण पत्र भेंटकर सम्मानित किया है। प्रधानों के सम्मानित होने पर जिला अध्यक्ष प्रधान संघ विजय प्रताप सिंह सेंगर,महेवा कुमुद सिंह,अंदावा चरन सिंह यादव,आहेरीपुर सँगीता वर्मा,उझियानी देवेंद्र कुमार आदि ने हर्ष जताया है।

कलयुगी बेटे ने बुजुर्ग पिता को घर से निकाला

संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। कलयुगी बेटे ने मारपीट कर बुजुर्ग पिता को घर से निकाल दिया, पीड़ित बुजुर्ग की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बेटे के विरुद्ध मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है। मामला कोतवाली क्षेत्र के लक्ष्मीगंज गाँव का है, गाँव निवासी रामखेलावन का कहना है कि उनका बेटा आये दिन उन्हें परेशान करता है और सोमवार की शाम उसने मारपीट कर उसे घर से भगा दिया, मंगलवार को बुजुर्ग ने कोतवाली पहुंचकर बेटे पुत्तन उर्फप्रमोद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

विद्यालयों ने टॉपर बच्चों को मुंह मीठा कराकर दी बधाई

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। यूपी बोर्ड परीक्षा का परीक्षाफ्ल घोषित होने के बाद क्षेत्र के विद्यालयों में खुशी का माहौल व्याप्त है। क्षेत्र के विद्यालयों ने अपने अपने विद्यालय के टॉपर बच्चों को मुंह मीठा कराते हुए बधाई दी और उनका उत्साह बढ़ाया। बताते चलें कि हाई स्कूल में जिले के टॉप टेन में क्षेत्र के न्यू स्टैण्र्ड पब्लिक स्कूल की रितिका पटेल 95 प्रतिशत अंक प्राप्त 7वें स्थान पर कब्जा जमाया है विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव सिंह ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी उनका परीक्षा परिणाम उत्तम रहा है और उनके विद्यालय के बच्चें जिले के टॉप टेन में स्थान बनाया है। कस्बा स्थित स्वदेश सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज के आरव कुमार द्विवेदी ने 94.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में 10वां स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य बीरेन्द्र वर्मा ने बताया कि शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम के साथ साथ विद्यालय के छात्र ने जिले के टॉप टेन में अपना स्थान बना विद्यालय के शिक्षकों का मान बढ़ाया है। क्षेत्र के खेरवा मजरे मुरैनी में स्थित सुबेदार मेजर रामफ्ल सिंह स्मारक इण्टर कालेज की अर्पिता सिंह ने भी 91.5 प्रतिशत अंक व अदिती मिश्रा ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय के शिक्षकों और अभिभावकों को गौरान्वित किया है। विद्यालय की प्रबन्धिका योगिता सिंह ने बताया कि शिक्षको की कर्मठता व बच्चों की मेहनत से उनके विद्यालय का रिजल्ट भी काफी अच्छा आया है। उन्होने कहा कि विषम परिस्थितियों और सुविधाओं के अभाव में चल रहे विद्यालय के बच्चों का इतना अच्छा रिजल्ट आना शिक्षकों की मेहनत को दर्शाता है। इसके अलावां क्षेत्र के बबुरिहा स्थित डा0 बी0 आर0 अम्बेडकर शिक्षा सदन इण्टरमीडिएट कॉलेज के यश चौरसिया ने 89 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय के संस्थापक सुशील पासी ने बच्चों व शिक्षकों को बधाई दी। प्रधानाचार्य सुकृत कनौजिया ने बताया कि उनके विद्यालय का परीक्षा फ्ल शत प्रतिशत आया है।

कई स्कूलों ने हासिल किया सराहनीय परीक्षा परिणाम, कई बच्चे स्कूल में रहे टॉप

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

खीरों रायबरेली। स्कूलों ने हासिल किया सराहनीय परीक्षा परिणाम, कई बच्चे स्कूल में रहे टॉप। उत्तरप्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की तरफसे घोषित किए गया 10वी व बारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम। खीरों कस्बे के स्कूलों का सराहनीय रहा है। वहीं पर खीरों कस्बे के सरस्वती इंटर कॉलेज के 12वी के छात्र शिशिर गुप्ता पुत्र आशुतोष गुप्ता ने रायबरेली जिले में पहला स्थान प्राप्त किया। विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं न्यू सरस्वती ज्ञान मंदिर इंटर कॉलेज की 12वी की छात्रा ने रायबरेली जिले में छठवा स्थान प्राप्त करने वाली यशी गुप्ता रही। त्रिवेणी काशी इंटर कॉलेज के छात्र आलोक मिश्रा पुत्र उमाकांत मिश्रा ने 96: अंक प्राप्त किया निवासी खीरों शास्त्रीनगर वहीं परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई एक दूसरे का मुंह मीठा करा कर अपनी खुशी जाहिर की। कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने बेहतर अंक हासिल करते हुए स्कूल स्तर पर टॉपर होने का गौरव हासिल किया है। वही खीरों कस्बे के विवेकानंद बिहारी लाल इंटर कॉलेज मे कक्षा 10 के छात्र रामकरन ने 600/565 वा दिव्यांशी ने 600/553शुभम ने 600/559वा वारेंश ने 600/552 वा नितिन कुमार ने 600/550 वा शिवेंद्र आभूषण ने 600548 वा आराधना ने 600/545 वा सत्यम को 600/545 वा श्रष्टि को 600/543 वा अंशिका ने 600/541 वा अल्फीजा को 600/535अंक प्राप्त हुए वा आयुष राज को 600/531 अंक प्राप्त किया। स्कूलों के प्रबंधकों ने अपने अपने बच्चों को माल्यार्पण कर मुंह मीठा करा कर सभी बच्चों को शानदार परीक्षा परिणामों की बधाई दी।

एनटीपीसी उत्तरी क्षेत्र क्रिकेट प्रतियोगिता में ऊंचाहार ने फहराया परचम

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। क्षेत्र की अग्रणी संस्था एनटीपीसी की उत्तर क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता एनटीपीसी विंध्याचल में आयोजित की गई, जिसमें एनटीपीसी ऊंचाहार के कर्मचारियों की क्रिकेट टीम ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों को पछाड़ते हुए प्रथम विजेता के रूप में उभरकर सम्पूर्ण उत्तरी क्षेत्र में एनटीपीसी ऊंचाहार का नाम रौशन कर दिया। इस प्रतिष्ठापूर्ण खेल प्रतिस्पर्धा में ऊंचाहार के अतिरिक्त विंध्याचल, रिहंद, टांडा, सिंगरौली, दादरी, झज्जर तथा मेजा विद्युत परियोजनाओं की टीमों ने भाग लिया। सभी मैच दो चरणों में खेले गए और दोनों चरणों में ऊंचाहार प्रथम विजेता के रूप में उभरा। ऊंचाहार और विंध्याचल की टीमों के बीच सेमी फाइनल मैच हुआ, जिसमें ऊंचाहार ने बाजी मारी। फाइनल मैच रिंहद और ऊंचाहार के बीच में खेला गया। ऊंचाहार ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान के साथ 152 रन बनाए। जबकि रिहंद की टीम सभी विकेट खोकर 148 रनों पर सिमट गई और इस प्रकार 4 रनों से फाइनल मैच जीतकर ऊंचाहार ने खेल के मैदान में भी अपना परचम फ्हरा दिया। ऊंचाहार के सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। विशेष रूप से जितेन्द्र यादव, रिपूदमन सिंह तोमर, हर्षित अग्रवाल तथा सनी सहगल की धुआंधार बल्लेबाजी और सधी हुई विकेटकीपिंग से ऊंचाहार की टीम मैचों के दौरान सभी टीमों पर भारी पड़ी और अंततरू अपने शानदार प्रदर्शन से ऊंचाहार परियोजना का नाम रौशन कर दिया। सम्पूर्ण टूर्नामेंट में हर्षित अग्रवाल ने श्प्लेयर ऑफद टूर्नामेंटश् का खिताब जीतने में सफ्ल रहे जबकि फाइनल मैच में अमनदीप ने श्मैन ऑफ द मैचश् का खिताब जीता। जीत का सेहरा बांधे क्रिकेट टीम जब ऊंचाहार परियोजना में पहुंची तो खेल प्रेमियों, कर्मचारियों, विभागाध्यक्षों एवं यूनियन व एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए टीम का करतल ध्वनि से स्वागत किया। परियोजना के कार्यकारी निदेशक अभय कुमार समैयार ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्युत उत्पादन के अपने मूल कार्य के साथ-साथ अन्य सभी क्षेत्रों में भी परियोजना की उत्कृष्टता समय-समय पर प्रमाणित होती रहती है। परियोजना की क्रिकेट टीम ने जो इतिहास रचा है उससे प्रत्येक खिलाड़ी पर गर्व की अनुभूति हो रही है।

स्वास्थ्य कर्मियों को मलेरिया से सुरक्षा की दिलाई शपथ

स्वास्थ्य केंद्रों पर मलेरिया से बचाव के लिए किया जारहा जागरूक

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

इटावा। इटावा जनपद में मंगलवार को विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में विशेष संगोष्ठी का आयोजन हुआ और उपस्थित सभी स्वास्थ्य कर्मियों और चिकित्सकों ने मच्छर जनक स्थितियों को समाप्त करने व डेंगू मलेरिया की समाप्ति के लिए शपथ ली है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0गीताराम ने बताया कि मच्छरों का प्रकोप पहले सिर्फ बारिश के दौरान और बारिश के बाद दिखता था जबकि अब 2-3 महीने छोड़ दीजिए तो पूरे साल ही दिखते हैं। इसलिए आवश्यकता पड़ने पर मलेरिया रोकने के लिए अब फॉगिंग का कार्य पूरे साल चलेगा। साथ ही हमारी स्वास्थ्य टीमें सर्वाधिक मच्छर वाले इलाकों को चिन्हित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि इस बार विश्व मलेरिया दिवस की थीम श्शून्य मलेरिया देने का समय रू निवेश,नवाचार, कार्यान्वयनष् है। इस थीम का उद्देश्य वैश्विक उन्मूलन लक्ष्यों को प्राप्त करने में नवाचार की ओर ध्यान आकर्षित करना और उनको जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करना है। उन्होंने बताया कि जनपद में 2021 और 2022 मे 5208,5211लोगों जांच की गई जिसमें क्रमश: 61 और 104 मरीज मिले। इस वर्ष अब तक-17543 स्लाइड बनाकर लोगों की जांच की गई है। लेकिन अभी तक कोई भी मरीज मलेरिया ग्रस्त नही पाया गया। जिला मलेरिया अधिकारी नीरज दुबे ने बताया कि वर्तमान में संचालित संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को नष्ट कराया जा रहा है। एंटी लार्वा का छिड़काव तथा फागिंग भी कराया जा रहा है। इस कार्य में नगर विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मलेरिया की जांच व उपचार की सुविधा जिला मुख्यालय के अलावा सभी सीएचसी और पीएचसी पर उपलब्ध है। शासन के निर्देशानुसार आशा कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्र में जाकर रोगी की पहचान कर रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) किट से त्वरित जांच कर रही हैं। इसके लिए समस्त आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित भी किया गया है। जांच में मलेरिया धनात्मक पाए जाने पर जल्द से जल्द रोगी का निरूशुल्क पूर्ण उपचार किया जाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ और लोगों को डेंगू और मलेरिया से बचाव के संदर्भ में जानकारी दी गई। संगोष्ठी में डॉ0बी एल संजय, डॉ0 श्रीनिवास, डॉ0 बलराज, डॉ0 शिवचरण, और मलेरिया इंस्पेक्टर आशीष राणा,नवीन सक्सेना, श्याम, सुषमा, गोपाल उपस्थित रहे। हफ्ते भर में अंडा बन जाता है मच्छर मलेरिया का प्रसार मादा एनोफिलीस मच्छर के काटने से होता है। एक अंडे से मच्छर बनने की प्रक्रिया में पूरा एक सप्ताह का समय लगता है। इस कारण एक सप्ताह में एक बार एंटीलार्वा का छिड़काव किया जाता है। यदि किसी जलपात्र में पानी है तो उसे सप्ताह में एक बार जरूर खाली कर दें। जैसे कूलर,गमला,टीन का डिब्बा, नारियल का खोल, डिब्बा, फ्रिज के पीछे का डीफ्रास्ट-ट्रे की सफाई हमेशा करते रहना आवश्यक है। मलेरिया से संक्रमित व्यक्ति का समय से इलाज शुरू होने पर जान जाने का खतरा कम हो जाता है।

कैसे क्या करें सुरक्षा

मलेरिया से बचाव के लिए रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए,आसपास दूषित पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। साफ-सफाई रखनी चाहिए। बुखार होने पर तत्काल आशा से संपर्क करें या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर परामर्श लें। सही समय पर निदान उपचार होने से रोगी पूर्णत: स्वस्थ हो जाता है।

टूटकर गिरी हुई एचटी लाइन में संचालित हो रहे करंट की चपेट से दस वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत

संवाददाता. ऊँचाहार, रायबरेली। क्षेत्र के सरायं सहिजन गाँव में गिरी हुई एचटी लाइन में संचालित हो रहे करंट की चपेट में आने से दस वर्षीय बच्ची की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जानकारी मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया,ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। सोमवार की शाम आये तेज तूफान के कारण गांव के पास बाग में हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया था, लेकिन किसी को इसकी जानकारी नहीं हो पाई, मंगलवार की सुबह गाँव निवासी बाबूलाल की दस वर्षीय पुत्री अंशिका बाग में आम बीनने गई थी, उसी दौरान एचटी लाइन को उसने छू लिया, करंट संचालित होने के कारण उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान शिवकुमार वर्मा ने पुलिस व बिजली विभाग को मामले की सूचना दी, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है।,वहीं इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है, विधिक कार्यवाही की जा रही है।

तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दो लोग घायल

संवाददाता. ऊंचाहार, रायबरेली। नगर स्थित बस स्टैंड पर तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिसके बाद बाइक अनियंत्रित होकर पैदल जा रही महिला से टकरा गई, घटना में दो लोग घायल हो गये, स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सीएचसी लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बाइक सवार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है, वहीं स्थानीय लोगों द्वारा बोलेरो चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया, टक्कर मारने वाली बोलेरो जिले के खनन विभाग के किसी अधिकारी की बताई जा रही है। मंगलवार की दोपहर बाद बस स्टैंड पर तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार अबू तालिब 40 वर्ष निवासी वार्ड नं 5 सरायं मोहल्ला ऊंचाहार नगर को टक्कर मार दी, टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक अनियंत्रित होकर पैदल जा रही महिला मदिरुन निशा 50 वर्ष निवासी मोहा मजरे उमरन कोतवाली सलोन से टकरा गई, घटना में बाइक सवार समेत दोनों लोग घायल हो गये, जिसके बाद स्थानीय लोगों बोलेरो चालक को पकड़कर वाहन समेत पुलिस के हवाले कर दिया, घायलों को इलाज के लिए सीएचसी लाया गया,

नवाबगंज पंहुचा 84 कोसी परिक्रमा में शामिल साधु-संतों का जत्था

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

नवाबगंज, गोण्डा। राम जन्मभूमि अयोध्या से मखौड़ा धाम होते हुए 84 कोसी परिक्रमार्थियों का पहला जत्था सोमवार को देर रात नवाबगंज पहुंचा, जहां जत्थे में शामिल करीब 700 महिला एवं पुरूष साधु-संतों को मौसम खराब होने के कारण क्षेत्र के तुलसीपुर माझा गाँव में रूकना पड़ा। मंगलवार की सुबह परिक्रमार्थियो का हनुमान मंडल नामक यह जत्था परिक्रमा प्रभारी विहिप के संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में राम नाम का सुमिरन करते हुए क्षेत्र के मंहगूपुर गाँव स्थित भगवान कपिल के मंदिर के लिए रवाना हुआ। रास्ते में विश्नोहरपुर गाँव के प्रवेश द्वार पर सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह और पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ के नेतृत्व में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने फूल-माला पहनाकर साधु-संतों का स्वागत किया एवं आशीर्वाद लिया। वहीं पर जत्थे में शामिल प्रत्येक साधु-संतों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गयी थी। इसके बाद भगवान कपिल के मंदिर में हनुमान मंडल ने विश्राम किया। यहां पर पूर्व प्रधान नवनीत पांडेय एवं ग्राम वासियों के सहयोग से परिक्रमार्थियों के जलपान और भोजन आदि की व्यवस्था की गयी थी। सीएचसी नवाबगंज की ओर से प्राथमिक उपचार के लिए डाक्टरों द्वारा जरूरतमंद परिक्रमार्थियों की जांच की गई ।

भारत विकास परिषद के प्रांतीय शपथ ग्रहण में पहुंचे : समाजसेवी मुरारी लाल अग्रवाल

संवाददाता

कानपुर। भारत विकास परिषद ब्रम्हावर्त प्रांत के दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन सेवा संस्थान रानीगंज काकादेव कानपुर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मुरारी लाल अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी व उद्योगपति एवं मा0वि0प0 के विवेकानंद जी को पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए दीप प्रज्जवलन के उपरान्त वंदे मातरम् के सम्वेत स्वर में गायन के साथ हुआ। परिषद के विमलेश अवस्थी, राकेश कुमार श्रीवास्तव तथा संजय दुआ ने अध्यक्ष, सचिव व सचिव (वित्त) के दायित्व की शपथ ली तथा साथ ही में परिषद के अन्य प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य व प्रकल्प प्रभारियों ने भी शपथ ग्रहण की। वरिष्ठ समाजसेवी मुरारी लाल अग्रवाल ने परिषद के सेवा संस्कार और सम्पर्क प्रकल्पों द्वारा किये गये कार्यों की प्रसंशा की ओर इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की परिषद सेवा कार्यों के साथ छात्रों में जो संस्कार रोपित करने का कार्य भी कर ही है जो कि अति प्रशसनीय है। विशिष्ट मुकेश जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष ने भी प्रांत की शाखाओं द्वारा वर्ष पर्यन्त किये गये कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यद्यपि प्रांत की सभी शाखाए सेवा और संस्कार के अच्छे कार्य कर रही है परन्तु कानपुर ऐसे औद्योगिक अध्यक्ष सचिव, कोषाध्यक्ष, संगठन सचिव तथा महिला संयोजिका व प्रकल्पों के अन्य प्रभारी सह प्रभारियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

होटल के कमरें में फांसी पर लटकते मिले डिप्टी सीएमओ

संवाददाता, प्रयागराज। सुबह सिविल लाइंस स्थित होटल बिट्ठल में प्रयागराज के डिप्टी सीएमओ सुनील कुमार सिंह ने खुदकुशी कर ली। होटल के कर्मचारियों की सूचना पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में कर्मचारियों ने कमरा खोला। उनका शव फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। डॉ. सुनील कुमार सिंह बतौर डिप्टी सीएमओ तेज प्रताप सप्रू हास्पिटल बेली में तैनात थे। वह संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए थे। रविवार की शाम को ही उन्होंने सिविल लाइंस में काफी हाउस के बगल स्थित होटल बिट्ठल में कमरा लिया था। सोमवार सुबह काफी देर तक उनके बाहर न निकलने पर कर्मचारियों ने दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। इसके बाद अंदर झांककर देखा गया तो वह बदहवास पड़े थे। होटल कर्मचारियों की सूचना पर सिविल लाइंस पुलिस मौके पर पहुंच गई। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। बताया जा रहा है कि मृत मिले डिप्टी सीएमओ डॉ. सुनील सिंह वाराणसी के पांडेयपुर के मूल निवासी थे। रोज वह प्रयागराज से वाराणसी आवागमन करते थे। कभी रुकना होता था तो बिट्ठल होटल में ही ठहरते थे। उनके मौत की सूचना पर स्वास्थ्य महकमे में अफरातफरी मची रही। विभागीय अधिकारियों के साथ ही जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने होटल पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर सैंपल एकत्र किया।

मौसम का बदला मिजाज, आंधी के साथ हुई बारिश

संवाददाता, शुक्लागंज,उन्नाव। सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला नजर आया। पूर्वाहन के वक्त आसमान में बादल छाए थे। दोपहर तक तेज आंधी चलने से गर्मी से कुछ राहत मिली। इसके बाद काले बादल छा जाने से बारिश हो गई। जिससे मौसम काफी ठंडा हो गया। कई दिनों से लगातार तेज धूप के साथ गर्मी में लोग बेहाल हो गए थे। दोपहर के समय तो लोग घरों से निकलने में सोचते थे। वही सोमवार की सुबह से ही मौसम काफी सुहाना लग रहा था। आसमान में जब बादल छाए तो लग रहा था कि दोपहर तक तेज धूप निकल आएगी। ऐसा नहीं हुआ और दोपहर में काले बादल घिर आए और तेज आंधी के साथ कुछ देर बार बारिश शुरू हो गई। बारिश ज्यादा देर तक नहीं हुई लेकिन जितनी देर हुई उससे मौसम काफी ठंडा हो गया। बारिश के कारण लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है। शाम तक मौसम ठंडा रहा जिससे लोगों ने इसका आनंद लिया। वही बेमौसम बरसात से गेहूं की फसल, हरी सब्जी, आम का फल, आदि को नुक्सान पहुचा है।

वार्ड 23 बसपा पार्षद प्रत्याशी कराएंगे क्षेत्र की जल समस्या को दूर

संवाददाता, कानपुर नगर निगम चुनाव का बिगुल फुक चुका है और सभी नगर के पार्षद अपनी जनता से वोट मांग रहे हैं और वार्ड की मुख्य समस्या को दूर करने की लोगों से वादा कर रहे हैं ऐसे ही बसपा प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह कमल ने वार्ड देश की जनता को भरोसा दिलाया है कि अगर जनता अपना आशीर्वाद देती है तो क्षेत्र को किसी भी तरीके की जल समस्या होगी उसको निजात दिलाएंगे क्योंकि पैसे से प्लंबर होने के नाते जो भी कार्य होंगे वह पूर्ण रूप से मुक्त करेंगे और लोगों की जो भी समस्या होगी उसको दूर कराने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

साठ लीटर अवैध कच्ची शराब सहित 6 अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता, फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा के आदेश एवं अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी सफीपुर के निर्देशन में अवैध शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थाना फतेहपुर चौरासी पुलिस द्वारा 6 अभियुक्तों को 60 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर गिरफ्तार किया गया। सोमवार को थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थान क्रमश: दोस्तपुर शिवली मोड़ के पास, नासिरपुर तिराहे के पास, कल्याणी नदी पुल के पास तथा बरूआघाट तिराहे के पास मुखबिरान की सूचना पर अभियुक्तगण क्रमश: अभियुक्त, पुतान लोध पुत्र बाबूलाल उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम अहमदाबाद सेननगर थाना एफ-84 उन्नाव, सुनील लोध पुत्र मोहन उम्र 32 वर्ष निवासी हाजीखेड़ा थाना सफीपुर जनपद उन्नाव के कब्जे से एक-एक प्लास्टिक की पिपिया में 10-10 लीटर कच्ची देशी नाजायज शराब सम्बन्धित मु0अ0सं0 130/23 व 131/23 धारा 60 आबकारी अधिनियम, अभियुक्त अशोक कुमार पुत्र लखनलाल नि0 नासिरपुर थाना थ् 84 जिला उन्नाव उम्र करीब 38 वर्ष के कब्जे से एक प्लास्टिक की पिपिया में 10 लीटर कच्ची देशी नाजायज शराब सम्बन्धित मु0अ0सं0 132/23 धारा 60 आबकारी अधिनियम, 4. अभियुक्त मनोज कुमार पुत्र सुबेदार निवासी दारापुर थाना 84 जि0 उन्नाव उम्र 21 वर्ष, अकील उर्फसईद पुत्र साफत अली निवासी उनवा थाना सफीपुर उन्नाव उम्र 35 वर्ष के कब्जे से एक-एक प्लास्टिक की पिपिया में 10-10 लीटर कच्ची देशी नाजायज शराब सम्बन्धित मु0अ0सं0 133/23 व 134/23 धारा 60 आबकारी अधिनियम तथा अभियुक्त, मलखान पुत्र पुत्तूलाल निवासी ग्राम काजीपुर बंगर थाना फतेहपुर चौरासी जनपद उन्नाव उम्र करीब 30 वर्ष के कब्जे से एक प्लास्टिक की पिपिया में 10 लीटर कच्ची देशी नाजायज शराब सम्बन्धित मु0अ0सं0 135/23 धारा 60 आबकारी अधिनियम बरामद कर गिरफ्तार किया गया ।

अतीक अहमद के कार्यालय में मिला खून से सने कपड़े व चाकू

संवाददाता, प्रयागराज। सोमवार की सुबह उस वक्त एक बार फिर से हड़कंप मच गया जब मृतक माफिया अतीक अहमद के चकिया स्थित ऑफिस में कई जगह खून के धब्बे मिले। साथ ही खून से सना चाकू और खून से सने हुए कपड़े मिले। ऑफिस की दीवारों पर खून के इतने धब्बे देखकर पुलिस भी चौंक गई। पुलिस जांच में जुटी है कि आखिर ये खून धब्बे, खून से सना चाकू, खून से सने कपड़े किसके हैं। अतीक के ऑफिस में फिर किसी की हत्या हुई है या फिर किसी ने जानबूझकर ऐसा किया है। जानकारी के अनुसार खून से सना जो कपड़ा है वह किसी महिला का दुपट्टा है वहीं दुपट्टे के पास खून से सनी चूड़ियां भी मिली हैं। पुलिस जांच में जुट गई है। ऐसा लगता है कि देर रात या तो किसी पर चाकू से हमला किया गया था या फिर किसी ने यहां पर आत्महत्या करने की कोशिश की है। अतीक के ऑफिस की सीढ़ियों पर खून के धब्बे हैं, सीढ़ी की रेलिंग पर खून है, सीढ़ियों के पास से ही खून रिस-रिसकर नीचे जमीन पर टपका है। खून की बूंदों से साफहै कि ये खून ऊपर से टपका है। पहले तल पर रास्ते में ही एक छोटा चाकू भी मिला है। कमरे की अलमारी से कपड़े फैले हैं ऐसा लगता है कि किसी ने अलमारी खोल कर कपड़े भी निकाले हैं और कुछ फाइल भी ले जाया गया है। सारी फाइलें जमीन पर फैली हुई थी। अतीक अहमद के चकिया स्थित ऑफिस में पुलिस की टीम पहुंची है। पुलिस टीम को यहां की दीवारों पर खून के धब्बे मिले हैं। साथ ही खून से सनीं चूड़ियां भी मिली हैं। कमरे में रखे दुपट्टे पर भी खून के छींटे पड़े मिले हैं।अतीक के ऑफिस में तलाशी चल रही है। पुलिस ने कहा है कि एफएसएल की जांच में ही इसका खुलासा होगा कि खून से सना चाकू, खून के धब्बे और खून से सना दुपट्टा किसका है। पुलिस ने कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं होती तब तक हम कुछ भी नहीं कह सकते।

सपा के मेयर प्रत्यासी ने जिला कचेहरी में अधिवक्ताओं से मिलकर मांगा समर्थन

संवाददाता, प्रयागराज। सपा के मेयर प्रत्याशी अजय कुमार श्रीवास्तव ने आज जिला कचेहरी में भ्रमण कर अधिवक्ताओं से समर्थन की अपील की। सपा प्रत्याशी के साथ जिला बार के पूर्व उपाध्यक्ष एवं सपा महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेख़ार हुसैन, संदीप यादव, जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, रविन्द्र यादव एडवोकेट, मनीष श्रीवास्तव एडवोकेट, कल्पना श्रीवास्तव एडवोकेट, पियूष श्रीवास्तव एडवोकेट, बृजेश यादव एडवोकेट, सचिन श्रीवास्तव,कमला यादव,नाटे चौधरी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने पूरे कचेहरी परिसर में भ्रमण कर समाजवादी पार्टी के मेयर एवं पार्षद प्रत्याशियों के समर्थन की अपील की। सपा प्रत्याशी अजय कुमार श्रीवास्तव सुबह के पी कालेज में उमेश खरे द्वारा आयोजित बैठक में शहर के विकास के लिए तमाम वादों को गिनाते हुए समर्थन की अपील किया। गंगापार क्षेत्र के कनिहार में पार्षद प्रत्याशी पूरन पासी,सोंनौती में कन्हाई लाल भारतीय,अंदावा में रामसिंह पासी,छतनाग में राम जियावान बल्लू के चुनाव कार्यालयों का फीता काटकर उद्घाटन करने के बाद शाम को सैनिक कालोनी प्रीतमनगर आदि क्षेत्रों में भ्रमण कर जन समर्थन की अपील की।

भाजपा से पार्षद प्रत्याशी मंजू कुशवाहा ने कराया नामांकन

संवाददाता, कानपुर उत्तर प्रदेश में नगर निगम चुनाव को लेकर सभी प्रत्याशियों ने अपने अपने क्षेत्र से प्रबल दावेदारी ठोक रखी है ऐसा ही कानपुर मस्वानपुर से वार्ड 8 कि भाजपा प्रत्याशी मंजू कुशवाहा ने नामांकन के अंतिम दिन अपना पर्चा दाखिल किया उन्होंने बताया कि क्षेत्र की जटिल समस्याओं को दूर करना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी भाजपा सरकार विकास की बात करती है और सबका साथ सबका विकास भाजपा सरकार की प्राथमिकता है उसी को एजेंडा बनाकर क्षेत्र में जो भी

पवन तनय इंटरनेट कैफे स्टूडियो का शुभारंभ

संवाददाता

कानपुर। काकादेव कोचिंग मंडी स्थित पवन तनय इंटरनेट कैफे स्टूडियो का शुभारंभ हुआ इस मौके पर पवन गुप्ता ने बताया कि हमारे नवनिर्मित प्रतिष्ठान का उद्घाटन हमारे पूजनीय पिताजी के कर कमलों द्वारा संपन्न किया गया हमारे यहां सभी प्रकार के ऑनलाइन इंटरनेट संबंधित सभी सुविधाएं उपलब्ध है जैसे केंद्र सरकार राज्य सरकार से संबंधित जो भी कार्य हो वह हमारे यहां कैफे में किए जाते हैं और अर्जेंट स्वच्छ फोटो की तुरंत व्यवस्था की जाती है क्षेत्रीय लोगों से कहना चाहूंगा वह हमारे यहां आए और सेवा का अवसर प्रदान करें इस मौके पर गोपाल गुप्ता राजेश गुप्ता अनीता गुप्ता कंचन गुप्ता सहित क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने की बैठक

संवाददाता, प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी सिविल लाइन कार्यालय में नगर निगम के चुनाव के संदर्भ में चुनाव संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई इस अवसर पर बैठक के मुख्य वक्ता उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि हमें नवरात्रि की अनुष्ठान की तरह नगर निगम के चुनाव में जुटना है और जनता जनार्दन की आशा और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हर बूथों पर कमल खिलाना है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का हर एक कार्यकर्ता परिश्रमी कार्य कर्ता है जो अपने परिश्रम की पराकाष्ठा तक जाकर हर असंभव कार्य को भी संभव सिद्ध कर देते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी कार्यकर्ताओं के दम पर बनी है। और जिन्होंने ने अपने परिश्रम के बल पर पार्टी को मजबूत तो किया और जनता का भी दिल जीतने का काम किया है। आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं का एक ऐसा दल है जहां प्रधानमंत्री भी कार्यकर्ता बनता है और राष्ट्रीय अध्यक्ष भी कार्यकर्ता बनता है उन्होंने कहा कि प्रयागराज जिले का बहुमुखी विकास के लिए नगर निगम के सभी वार्डों में कमल खिलाना होगा। उन्होंने कहा कि समाज के ऐसे बहुत से लोग हैं जो भारतीय जनता पार्टी के विचारों से जुड़े हैं और भाजपा को अपना समर्थन करते हैं।

ऐसे सभी सम्मानित लोगो को और अन्य राजनैतिक दल के अच्छे कार्यकर्ता जो भाजपा में शामिल होना चाहते हैं उन्हें वार्ड स्तर पर शामिल कराएं और असंतुष्ट कार्यकर्ताओं को मनाए और चुनाव में उनकी भी भागीदारी तय करे। और वार्ड स्तर पर आए सभी संगठनात्मक करणीय कार्यों को पूरा करते हुए वृहद स्तर पर वार्ड का सम्मेलन कराएं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी सर्व समाज की पार्टी है। इसलिए हर वार्ड में सामाजिक समीकरण बनाकर और हर समाज के लोगों को जोड़कर वार्ड के हर कार्यक्रम का संयोजन करें। उन्होंने आगे कहा कि हम नगर निगम महापौर का चुनाव तो जीत रहे हैं और जीत का आंकड़ा बढ़ाने के लिए हर भारतीय जनता पार्टी के पार्षद प्रत्याशियों को 10 प्रतिशत लक्ष्य साध कर जिताने का काम करना है। इस अवसर पर सांसद रीता बहुगुणा जोशी ,विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ,एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, नगर निगम चुनाव प्रभारी निवर्तमान क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव, यमुनापार जिला अध्यक्ष विभव नाथ भारती, गंगा पार जिला अध्यक्ष अश्वनी दुबे ने कहा कि इस बार पार्टी ने उमेश चंद्र गणेश केसरवानी के रूप में एक कार्यकर्ता को महापौर का टिकट दिया है तो इस अवसर को हमें शानदार जीत के साथ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को उपहार सौंपना है।

डॉ बी आर अंबेडकर की जयंती पर दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

कानपुर। केशव पुरम स्थित अंबेडकर विकास समिति के तत्वधान में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के 32 वे जन्मदिवस की जयंती पर विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम विचार गोष्ठी भोजन दान आयोजित किया गया इस दौरान समिति अध्यक्ष ओपी सिंह ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि अंबेडकर पार्क में बाबासाहेब के जन्म उत्सव पर संस्कृत विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि धीरेंद्र सचान ने बाबासाहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित किया इसके उपरांत मंच से सभी वक्ताओं ने बाबा साहब के समाज में किए गए महान कार्यों के विषय में लोगों मे विचार व्यक्त किए मंच पर छोटे-छोटे बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर लोगों की तालियां बटोरी लोगों ने भोजन दान का आनंद लिया इस दौरान कार्यक्रम में बृजलाल अमरपाल गौतम अनिल कुमार यादव सुनीता बौद्ध पृथ्वी पाल बीपी राही एमपी सिंह सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भागीदारी पार्टी (पी) के प्रत्याशी उपेंद्र कुमार ने वार्ड नंबर-6 से किया नामांकन

संवाददाता, हापुड़। जनपद हापुड़ में नगर निकाय चुनाव का बिगुल बजने के बाद से सभी पार्टियों के प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर रहे हैं तो कुछ प्रत्याशी मनचाहा पार्टी से टिकट ना मिलने पर दल बदल की राजनीति कर अन्य पार्टियों से सिंबाल प्राप्त कर नामांकन पत्र दाखिल करते हुए नजर आ रहे हैं तो वही हापुड़ नगर पालिका परिषद वार्ड नंबर 6 से भागीदारी पार्टी (पी) के प्रत्याशी उपेंद्र कुमार ने एस एस वी इंटर कॉलेज में हम अपने समर्थकों के साथ नामांकन पत्र दाखिल वही उपेंद्र कुमार ने अपनी पार्टी को जिताने का संकल्प लेंकर ??वार्ड के लोगों की जो समस्या है उनका समाधान किया जाएगा और अपने वार्ड में सर्व समाज के लोगों का कार्य करेंगे वार्ड में साफ-सफाई,टूटी सड़कें व पानी से संबंधित समस्याओं का समाधान कर वार्ड में विकास का कार्य करेंगे क्योंकि वार्ड के लोग हमें बहुत प्यार दे रहे हैं और हमे पूरी आशा है अबकी बार वार्ड नंबर 6 से जीत कर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाएंगे।

मनीष की बहन का कांग्रेस से टिकट होने पर लोगो ने भ्रमित खबर के जवाब में बसपा ने की प्रेस वार्ता

संवाददाता

हापुड़। हापुड़ नगर पालिका परिषद चेयरमैन से बसपा प्रत्याशी पुष्पा देवी के पति श्रीपाल ठेकेदार ने कांग्रेस पार्टी से पूर्व बसपा विधायक प्रत्याशी मनीष उर्फमोनू सिंह की बहन का टिकट होने के बाद बसपा का वोट बैंक कांग्रेस की तरफखिसकता देख पूर्व बसपा विधायक प्रत्याशी मनीष सिंह उर्फ मोनू को प्रीगंज रोड पर स्थित एक प्लाजा में बुलाकर बसपा प्रत्याशी पुष्पा देवी के पति श्रीपाल ठेकेदार ने पत्रकारों को बुलाकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया। जिसमें उपस्थित सभी बसपा समर्थकों ने मनीष उर्फ मोनू का फूल माला पहनाकर स्वागत किया वही मनीष उर्फ मोनू ने मीडिया को बताया कि भाई बहन का रिश्ता है। लेकिन रिश्ता अलग और राजनीति अलग है। लेकिन मैं अपनी पार्टी का समझौता रिश्तेदारी से नहीं करूंगा और मेरे चाहने वाले बसपा समर्थक लोग यह ना समझे कि मेरी बहन का टिकट कांग्रेस से हुआ है। और मैं अपनी रिश्तेदारी तो निभाउगा लेकिन अपनी बहन से राजनीतिक रिश्ता का समर्थन नहीं करूंगा।

मैं तन मन धन से पूरी तरह बसपा समर्थक हूं और और रहूंगा मेरे चाहने वालों का समर्थन पूरी तरह हापुड़ नगर पालिका परिषद से बसपा से चेयरमैन पद की प्रत्याशी पुष्पा देवी के साथ है और अन्य पार्टी व लोगों द्वारा कांग्रेश से मेरी बहन का टिकट होने पर उनके समर्थन में भ्रमित खबर फैलाई जा रही हैं वह निराधर गलत है। वही 2017 में मनीष सिंह का बसपा से टिकट ना होने पर अमित अग्रवाल को बसपा प्रत्याशी घोषित होने पर मोनू ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में हापुड नगर पालिका परिषद चेयरमैन का चुनाव लड़ा था पर नगर पालिका परिषद चुनाव में मनीष सिहं ने निर्दलीय प्रत्याशी का चुनाव लड़ने को लेकर पत्रकार द्वारा प्रशन पूछने उन्होंने कहा तब मुझे समाज ने चुनाव लड़ आया था लेकिन अब मैं पूरा अपना समर्थन बसपा प्रत्याशी को करता हूं और चुनाव प्रचार कर बसपा को मजबूत कर कंधे से कंधा मिलाकर हापुड़ नगर पालिका परिषद से पुष्पा देवी को चेयरमैन बनाकर ही दम लूंगा तो वही बसपा प्रत्याशी के पति श्रीपाल ठेकेदार ने कहां हमारे बीच ऐसी कोई नाराजगी नहीं थी जो लोग सोच रहे थे मोनू भैया का साथ और समर्थन पूरी तरह हमारे पक्ष में था और रहेगा वही मनीष सिंह ने कहा कुछ परिस्थितियों के कारण मैं उनके साथ समय समय पर साथ निभाता आ रहा हूं। वही बसपा कार्यकर्ता मनीष सिंह, श्रीपाल सिंह, तिलक चौधरी मंडल कोऑर्डिनेटर, के पी सिंह विधानसभा अध्यक्ष, विनोद कार्तिक जिला महासचिव, डॉक्टर ए के कर्दम पूर्व जिला अध्यक्ष, राजकुमार सागर, रवि भूषण पूर्व बामसेफजिला अध्यक्ष, महेश टायर वाले, अब्दुल मलिक, मुजम्मिल, हीरालाल, विनोद सागर, सतीश कुमार, धर्मेंद्र, कैलाश हल्द्वानी, बाबूदीन हाजी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वार्ड नंबर 7 से सभासद पद से निर्दलीय प्रत्याशी उमेश कुमार जाटव ने किया नामांकन

संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ में सोमवार से शुरू नगर निकाय चुनाव के लिए नामांकन की प्रतिक्रिया जारी जहां उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ में दूसरे चरण के 11 मई को चुनाव होने हैं निकाय चुनाव नजदीक आ रहे हैं कोई प्रत्याशी अपनी मनपसंद पार्टी से सिब्बल पाकर नामांकन कर रहा है तो कोई अपनी पार्टी से नाराज होकर टिकट ना मिलने पर अन्य पार्टी में ना जाकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन कर रहा है तो वही हापुड़ नगर पालिका परिषद के वार्ड नंबर 7 से बसपा समर्थक उमेश कुमार जाटव ने बसपा पार्टी से टिकट ना मिलने पर खफा होकर रविवार को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र हापुड़ के एसएसबी डिग्री कॉलेज में अपने सहयोगी साथियों के साथ दाखिल किया! इस मौके पर मोनू कुमार जाटव,रोहित जाटव निर्मल सिंह,वीपी सिंह,विनेश सिंह,मुन्ना जाटव,सनी जाटव दीपक,मोहित अभिषेक यादव, साहिल सनी, राजकुमार,शिवम मोहित,अतुल अंकुर,नदीम सूर्य भारती आदि समर्थक लोग मौजूद रहे।

युद्धविराम की नई अपील के बीच सूडान में अमेरिकी दूतावास के काफिले पर हमला

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा कि सूडान में अमेरिकी दूतावास का एक काफिला गोलीबारी की चपेट में आ गया। उन्होंने इसकी निंदा की। सूडान पर नियंत्रण के लिए सेना और प्रतिद्वंद्वी बलों के बीच चौथे दिन भी लडाई जारी है। ब्लिकंन ने बताया कि सोमवार को दूतावास के वाहनों के काफिले पर हमला किया गया और प्रारंभिक खबरों से हमलावरों के सूडान की सेना के अर्द्धसैन्य बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज से जुडे होने का पता चला है। उन्होंने बताया कि काफिले में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं। सूडान की सेना ने बताया कि यह हमला देश के अशांत दारफुर प्रांत में हुआ। काफिले पर हमले के साथ ही पहले सहायता कर्मियों और यूरोपीय संघ के राजदूत के आवास पर हमले देश में अराजकता बढने का संकेत है। अफ्रीका के तीसरे सबसे बडे देश पर नियंत्रण के लिए दो प्रतिद्वंद्वी जनरलों के बीच लडाई गत सप्ताहांत शुरू हुई थी। दोनों ही पक्ष घनी आबादी वाले क्षेत्रों में तोपों एवं अन्य भारी हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकडों के अनुसार, लडाई छिडने के बाद से अब तक 185 लोग मारे जा चुके हैं तथा 1800 से अधिक घायल हुए हैं। विदेश विभाग ने सोमवार देर रात बताया कि ब्लिंकन ने दोनों जनरलों से फ ोन पर अलग-अलग बात की है। उन्होंने मंगलवार को जापान में सात अमीर देशों के समूह की बैठक में पत्रकारों से कहा, ''मैंने फ ोन पर बहुत स्पष्ट कहा है कि हमारे राजनयिकों पर कोई हमला या खतरा पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने तत्काल 24 घंटे के संघर्ष विराम की अपील की।

पाक की खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को सुरक्षा मुद्दों से अवगत कराया

पाकिस्तान: शीर्ष अदालत से पंजाब में 14 मई को चुनाव कराने के आदेश पर पुनर्विचार का आग्रह

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस (आईएसआई) और सैन्य खुफिया (एमआई) प्रमुखों ने उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल और दो अन्य शीर्ष न्यायाधीशों के साथ बैठक कर उन्हें पाकिस्तान के समक्ष मौजूद सुरक्षा चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। राजनीतिक रूप से अहम पंजाब प्रांत में मध्यावधि चुनाव कराने को लेकर सरकार और शीर्ष अदालत के बीच टकराव के मध्य तीन घंटे तक यह बैठक चली। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने मंगलवार को खबर दी कि प्रधान न्यायाधीश के कक्ष में सोमवार को यह बैठक हुई है। खबर के मुताबिक, आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम और एमआई अध्यक्ष मेजर जनरल वाजिद अजीज ने मुल्क के सामने मौजूद सुरक्षा चिंताओं के बारे में प्रधान न्यायाधीश बंदियाल को जानकारी दी। प्रधान न्यायाधीश बंदियाल की अध्यक्षता वाली तीन सदस्य पीठ ने पंजाब विधानसभा के लिए चुनाव टालने के पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के फैसल को चार अप्रैल को 'असंवैधानिक' करार दिया था और उसे 14 मई को प्रांत में चुनाव कराने का आदेश दिया था। पीठ में न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर और न्यायमूर्ति एजाज-उल-अहसान भी शामिल थे। ईसीपी ने देश में बिगडती सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए प्रांतीय विधानसभा चुनाव 22 मार्च को पांच महीने से ज्यादा वक्त के लिए टाल दिए थे। पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। इसी पीठ ने 14 अप्रैल को 'स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान' को पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में चुनाव कराने के लिए ईसीपी को 21 अरब रुपये जारी करने और 17 अप्रैल तक वित्त मंत्रालय को इस बाबत ष्उचित पत्रष् भेजने का आदेश दिया था। पहले की सुनवाई में, रक्षा सचिव व पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल हमूद उज जमां ने पीठ से सुरक्षा मुद्दों पर बंद कमरे में जानकारी लेने का आग्रह किया था। मगर पीठ ने उनसे पहले गुप्त रिपोर्ट दायर करने को कहा था। एक वकील ने अखबार को बताया, ऐसा लगता है कि इन अधिकारियों ने न्यायाधीशों के साथ सीधे ये कारण साझा किए हैं कि क्यों 14 मई को सेना के जवानों को सुरक्षा ड्यूटी के लिए उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। शीर्ष अदालत के निर्देश के मुताबिक, ईसीपी को सुरक्षा योजना के बारे में सूचित करने की आखिरी तारीख 17 अप्रैल थी। पाकिस्तान के रक्षा और निर्वाचन अधिकारियों ने सुरक्षा तथा वित्तीय कारणों का हवाला देते हुए उच्चतम न्यायालय से राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पंजाब प्रांत में 14 मई को चुनाव कराने के अपने आदेश पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। प्रधान न्यायाधीश उमर अता बांदियाल के नेतृत्व में अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने चार अप्रैल को फैसला सुनाया था कि सबसे बडे प्रांत में चुनाव समय पर होने चाहिए और इसके लिए सरकार को पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग (ईसीपी) को 21 अरब रुपये देने का निर्देश दिया था। सरकार ने सुरक्षा और वित्तीय कारणों का हवाला देते हुए इस फैसले को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि देश उग्रवाद का सामना कर रहा है और आर्थिक मंदी के कारण कर्ज चुकाने में चूक सकता है। निर्वाचन आयोग के लिए धन जारी करने की आखिरी तारीख 17 अप्रैल थी, जिसके समाप्त होने के बाद न्यायाधीशों को खुफिया तंत्र के प्रमुखों द्वारा जानकारी दी गई कि ईसीपी ने धन की अनुपलब्धता पर एक रिपोर्ट दी है। समाचार पत्र 'डॉनश् की खबर के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय से उसके चार अप्रैल के आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया, जिसमें उसने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 14 मई की तारीख तय की थी। याचिका के जरिए अनुरोध किया गया, जिसके साथ एक रिपोर्ट भी संलग्न थी। उसे शीर्ष अदालत के समक्ष लाया गया, जिसने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) और अन्य विभागों को चुनाव कराने के लिए ईसीपी को 21 अरब रुपये जारी करने का निर्देश दिया था। पाकिस्तान की राजनीति में प्रांतीय चुनाव का काफी महत्व है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में मध्यावधि चुनाव कराने पर जोर दे रहे हैं।

अमेरिका का भारत का सबसे बडा व्यापारिक भागीदार बनना मजबूत होते संबंधों का प्रमाण : कृष्णमूर्ति

एजेंसी, वाशिंगटन। भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा है कि अमेरिका का भारत का सबसे बडा व्यापारिक भागीदार बनना दोनों लोकतंत्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस भागीदारी से दोनों देशों की समृद्धि और सुरक्षा बेहतर होगी। कृष्णमूर्ति ने यह टिप्पणी तब की है जबकि इस तरह की खबरें आई हैं कि अमेरिका 2022-23 में भारत का सबसे बडा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। इससे दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों में मजबूती का पता चलता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकडों 2022-23 में भारत और अमेरिका का द्विपक्षीय व्यापार 7.65 प्रतिशत बढकर 128.55 अरब डॉलर हो गया है, जबकि 2021-22 में यह 119.5 अरब डॉलर था। 2020-21 में द्विपक्षीय व्यापार 80.51 अरब डॉलर रहा था। डेमोक्रेट सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा, ''अमेरिका और भारत के बीच व्यापार का तेजी से बढना हमारे लोकतंत्रों के बीच संबंधों के मजबूत होने का प्रमाण है। हमारी भागीदारी दोनों देशों के अलावा व्यापक दुनिया की समृद्धि और सुरक्षा को बढाती है। कृष्णमूर्ति ने कहा, ''हालांकि, अमेरिका अब भारत का सबसे बडा व्यापारिक भागीदार बन गया है लेकिन यह जरूरी है कि हम दोनों अर्थव्यवस्थाओं को और मजबूत करने की व्यापक संभावनाओं को पहचाने और अमेरिका में रोजगार का सृजन करें। अमेरिका उन कुछ देशों में से एक है जिनके साथ भारत का व्यापार अधिशेष है। 2022-23 में भारत का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 28 अरब डॉलर था।

कैलिफोर्निया गुरुद्वारा गोलीबारी पुलिस ने 17 लोगों को किया गिरफ्तार, मशीनगन, एके-47 बरामद

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिका में सैकरामेंटो में स्थित गुरुद्वारे समेत 11 स्थानों पर गोलीबारी की घटनाओं की कई एजेंसियों द्वारा की गई जांच के बाद 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिसमें ज्यादातर स्थानीय सिख समुदाय के सदस्य हैं। उनके पास से एके-47 राइफल और मशीनगन बरामद की गई हैं। ये गिरफ्तारियां 20 से अधिक स्थानों पर छापेमारी के दौरान की गई हैं। उत्तरी कैलिफोर्निया के कानून प्रवर्तक अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इन समूहों के सदस्य स्टॉकटन में एक गुरुद्वारे में 27 अगस्त 2022 को हुई गोलीबारी में तथा 23 मार्च 2023 को सैकरामेंटो में एक अन्य गुरुद्वारे में की गई गोलीबारी में कथित रूप से शामिल थे। उन्होंने बताया कि स्टॉकटन की घटना में पांच और सैकरामेंट की घटना में दो लोगों को गोली लगी थी। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रोब बोंटा, युबा सिटी पुलिस प्रमुख ब्रायन बेकर और सट्टर काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जेनिफर डुप्रे ने सोमवार को बताया कि रविवार को उत्तरी कैलिफोर्निया में 20 स्थानों पर तलाशी वारंट की तामील कराने के लिए बडे पैमाने पर चलाए गए अभियान के दौरान 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें से ज्यादातर स्थानीय सिख समुदाय के सदस्य हैं। डुप्रे ने कहा कि पुलिस ने एके-47 राइफलें, पिस्तौल और एक मशीनगन समेत 42 बंदूकें जब्त की हैं। उन्होंने ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार किए गए दो लोग माफिया के सदस्य हैं और भारत में ''हत्या के कई मामलों में वांछित हैं।'' कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल ने बताया कि गिरफ्तार लोग प्रतिद्वंद्वी आपराधिक गिरोह का हिस्सा हैं और वे कई हिंसक घटनाओं के लिए कथित रूप से जिम्मेदार हैं। अटॉर्नी जनरल के अनुसार, ये लोग हत्या की कोशिश के पांच मामलों समेत सट्टर, सैकरामेंटो, सैन जोकिन, सोलानो, योलो और मर्सेड काउंटी में गोलीबारी की घटनाओं में कथित रूप से शामिल रहे हैं। इस जांच को 'ऑपरेशन ब्रोकन सॉर्ड' का नाम दिया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, जांच के दौरान कानून प्रवर्तन अधिकारी दो अन्य स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं होने से रोकने में सफल रहे। करीब 70,000 लोगों की आबादी वाले युबा सिटी शहर में सिख समुदाय के लोग बडी संख्या में रहते हैं और इस शहर को इसीलिए ''मिनी पंजाब'' भी कहा जाता है। हर साल नवंबर में नगर कीर्तन के लिए बडी संख्या में लोग शहर आते हैं। कैलिफोर्निया के सेंट्रल वैली में भी सिखों की खासी संख्या है।

चीनी उत्पादन 15 अप्रैल तक छह प्रतिशत घटकर 3.11 करोड टन पर

एजेंसी, नयी दिल्ली। देश में चीनी उत्पादन चालू विपणन वर्ष में 15 अप्रैल तक छह प्रतिशत घटकर तीन करोड 11 लाख टन रहा। इस गिरावट का मुख्य कारण महाराष्ट्र में उत्पादन घटना है। उद्योग संगठन इस्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के आंकडों के अनुसार, देश में चीनी के दूसरे सबसे बडे उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन चालू विपणन वर्ष में एक अक्टूबर, 2022 से 15 अप्रैल, 2023 तक बढकर 96.6 लाख टन हो गया। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 94.4 लाख टन रहा था। इस दौरान देश में चीनी के प्रमुख उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन पहले के एक करोड 26.5 लाख टन से घटकर 1.05 करोड टन रह गया, जबकि कर्नाटक में उत्पादन 58 लाख टन से घटकर 55.3 लाख टन रह गया।

एकांतवास में रहने वाले तालिबान के नेता ने रमजान की समाप्ति से पहले संदेश जारी किया

एजेंसी, इस्लामाबाद। एकांतवास में रहने वाले तालिबान के शीर्ष नेता ने मंगलवार को एक संदेश जारी करके दो दशक लंबे युद्ध के बाद अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के उपरांत तालिबान द्वारा उठाए गए कदमों और देश में हुए बदलावों की तारीफकी। हिबतुल्ला अखुंदजादा का यह बयान इस सप्ताह के उत्तरार्द्ध में होने वाली ईद की छुट्टियों से पहले सार्वजनिक किया गया है। ईद का त्योहार मनाए जाने के साथ ही रमजान का पाक महीना समाप्त हो जाएगा। इस्लामिक विद्वान अखुंदजादा विरले ही सार्वजनिक रूप से नजर आते हैं या कंधार में स्थित तालिबान के गढ से बाहर निकलते हैं। उनके आसपास ऐसे धार्मिक विद्वानों और सहयोगियों का जमावडा रहता है, जो महिलाओं के लिए शिक्षा और उनके काम (पैसे कमाने) करने का विरोध करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि हाल के महीनों में अफगानिस्तान की घरेलू नीतियां तय करने में अखुंदजादा का प्रभाव बढ गया है।

कायदे का पालन नहीं करने करने वाले ट्वीट की पहुंच सीमित करेगी ट्विटर

एजेंसी, नयी दिल्ली। सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर नियम तोडने वालों के खिलाफकडा कदम उठाएगी। उसने कहा है कि वह 'बोलने के अधिकार' की अनुमति तो देगी लेकिन नियम का पालन नहीं होने पर 'पहुंच की स्वतंत्रता' की अनुमति नहीं देगी। ट्विटर ने अपनी नीतियां संशोधित करते हुए कहा कि वह उसके नियमों का उल्लंघन करने वाले ट्वीट्स की पहुंच को सीमित कर देगी। ट्विटर घृणा फैलाने वाले ट्वीट्स मिलने पर पहले तो उनकी मौजूदगी को सीमित करेगी और फिर बाद में उसपर अन्य प्रतिबंध लगाए जाएंगे। सोशल मीडिया कंपनी ने कहा कि ट्विटर उपयोग करने वालों को अपने विचार प्रतिबंध की चिंता किए बिना जाहिर करने का अधिकार है। कंपनी ने कहा, हम यह भी मानते हैं कि हमारे मंच पर उपयोगकर्ताओं को हमारे नियमों का उल्लंघन करने वाली सामग्री से सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। ये मान्यताएं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की नींव हैं, पहुंच की स्वतंत्रता की नहीं। जहां उपयुक्त हो, हमारी नीतियों का उल्लंघन करने वाले ट्वीट्स की पहुंच को प्रतिबंधित कर उसकी पहुंच घटाकर उसे कम खोजने योग्य बना दिया जाए।

क्यूब हाइवेज इनविट भारत में सूचीबद्ध, निवेशकों से जुटाए 63 करोड डॉलर

एजेंसी, नयी दिल्ली। क्यूब हाइवेज ट्रस्ट (सीएचटी) ने ब्रिटिश कोलंबिया इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कॉरपोरेशन (बीसीआई) और अबू धाबी की निवेशक फर्म मुबाडला इन्वेस्टमेंट कंपनी जैसे कई निवेशकों से 63 करोड डॉलर का वित्त जुटाया है। भारत में ढांचागत निवेश ट्रस्ट (इनविट) के तौर पर सूचीबद्ध हुई सीएचटी का निवेश प्रबंधन करने वाली फर्म क्यूब हाइवेज फंड एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि पूरी तरह बिके निजी रूप से आवंटित साधारण यूनिट की 5,225.8 करोड रुपये में सूचीबद्धता हुई है। बयान के मुताबिक, कनाडा की पेंशन निवेश फर्म बीसीआई और मुबाडला क्यूब हाइवेज ट्रस्ट में नई प्रमुख निवेशक बनकर उभरी हैं। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी इन साधारण यूनिट को खरीदा है। इस ढांचागत निवेश ट्रस्ट के पोर्टफोलियो में 18 टोल और 1,423.60 किलोमीटर लंबी सडक परियोजनाएं हैं। इसकी परिसंपत्तियों के पहले समूह में 17 एनएचएआई टोल रोड और एक एन्यूटी सडक परियोजना शामिल हैं।

पत्नी के व्यावसायिक हितों को लेकर घिरे ब्रिटिश पीएम, संसदीय जांच का कर रहे सामना

एजेंसी, लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को अपनी पत्नी अक्षता के व्यावसायिक हित को लेकर संसदीय जांच का सामना करना पड रहा है। ब्रिटेन के संसदीय मानक आयुक्त ने जांच शुरू कर दी है। बीबीसी के अनुसार, जांच ब्रिटिश भारतीय नेता की पत्नी की को किड्स लिमिटेड में हिस्से से संबंधित है। इन्फोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता मूर्ति ब्रिटेन के कंपनी हाउस रजिस्टर में कोरू किड्स में शेयरधारक के रूप में सूचीबद्ध हैं। संसदीय जांच तय करेगी कि क्या नियम-कानून का कोई उल्लंघन हुआ है, जिसे बाद में मानकों से संबंधित समिति के सांसदों के समक्ष रखा जा सकता है।

इजराइल और फिलीस्तीन के बीच शांति वार्ता के लिए बिचौलिया बनने को तैयार चीन

एजेंसी, बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री ने इजराइल और फिलीस्तीन के अपने समकक्षों से कहा कि उनका देश क्षेत्र में मध्यस्थता के ताजा प्रयासों के तहत दोनों पक्षों के बीच शांति वार्ता में मदद करने को तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से सोमवार देर रात जारी एक बयान के अनुसार, चीन के विदेश मंत्री छिन कांग ने इजराइल और फिलीस्तीन के अधिकारियों को सोमवार को फोन किया और दोनों देशों के बीच बढते तनाव को लेकर बीजिंग की चिंता जाहिर की। बयान के मुताबिक, किन ने शांति वार्ता की बहाली के लिए समर्थन भी व्यक्त किया। गौरतलब है कि चीन ने सऊदी अरब और ईरान के 2016 से ठप पडे राजनयिक संबंधों को बहाल करने में मदद की थी। यह चीन की कूटनीति का एक नाटकीय क्षण था, जिसके जरिए उसने पश्चिम एशिया में एक राजनयिक खिलाडी के तौर पर अपनी क्षमताओं को दर्शाया था। कांग ने इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन के साथ अपनी बातचीत में जोर देकर कहा कि सऊदी अरब और ईरान ने बातचीत के जरिये मतभेदों को दूर करने का एक अच्छा उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कोहेन से कहा कि चीन इजराइलियों और फिलीस्तीनियों को राजनीतिक इच्छा शक्ति दिखाने और शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए कदम उठाने के वास्ते प्रोत्साहित करता है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कांग और कोहेन ने मुस्लमानों के पवित्र माह ''रमजान के अंतिम दिनों में टेंपल माउंट पर शांति बनाए रखने के महत्व पर चर्चा की, लेकिन फिलीस्तीनियोंके साथ शांति वार्ता का कोई उल्लेख नहीं किया। एक दशक से अधिक समय से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए इजराइल और फिलीस्तीन के बीच कोई कारगर शांति वार्ता नहीं हुई है। एक अन्य बयान के मुताबिक, कांग ने फलस्तीन के विदेश मंत्री रियाद अल-मलिकी से कहा कि चीन शांति वार्ता में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने दोनों अधिकारियों से कांग की बातचीत पर कहा कि सही काम करने के लिए कभी समय नहीं देखा जाता। इस महीने, इजराइल और वेस्ट बैंक में हिंसा काफी बढ गई। हिंसा की लपटें यरूशलम में सबसे संवेदनशील पवित्र स्थल अल-अक्सा मस्जिद तक पहुंच गईं, जिसके परिसर में इजराइली पुलिस ने कई कार्रवाई कीं। गौरलतब है कि अल-अक्सा मस्जिद एक संवेदनशील पहाडी पर स्थित है, जो यहूदियों और मुसलमानों-दोनों के लिए पवित्र स्थान है। अल-अक्सा इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र स्थल है और रमजान के दौरान यहां लोगों की काफी भीड रहती है।

देश में पांच साल में मक्का उत्पादन बढाकर 4.4-4.5 करोड टन करने की जरूरत

एजेंसी, नयी दिल्ली। एथनॉल उत्पादन और पोल्ट्री उद्योग के लिए अनाज की बढती मांग के बीच देश के मक्का उत्पादन को अगले पांच वर्षों में बढाकर 4.4-4.5 करोड टन करने की जरूरत है। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण सचिव मनोज आहूजा ने यहां मंगलवार को उद्योग निकाय पिक्की द्वारा आयोजित नौवें भारत मक्का शिखर सम्मेलन में यह बात कही। आहूजा ने कहा, वर्तमान में, देश में मक्का का उत्पादन 3.3-3.4 करोड टन की सीमा में है। हमें एथनॉल और पोल्ट्री उद्योग की बढती मांग को पूरा करने के लिए अगले पांच वर्षों में मक्का उत्पादन को बढाकर 4.4-4.5 करोड टन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के बढते खतरे के बीच बेहतर बीज उपलब्धता में सुधार, भंडारण और विपणन संपर्क स्थापित करने, सार्वजनिक और निजी भागीदारी बनाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार ने कार्यक्रम में कहा कि राज्य सरकार उन निजी कंपनियों का समर्थन करने को तैयार है, जो महाराष्ट्र में मक्का की मूल्य श्रृंखला और एथनॉल उत्पादन में निवेश करने की इच्छुक हैं।

रिलायंस कैपिटल के समाधान प्रक्रिया की समयसीमा 16 जुलाई तक बढाई गई

एजेंसी, नयी दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसी एलटी) की मुंबई पीठ ने रिलायंस कैपिटल की समाधान प्रक्रिया को पूरा करने की समयसीमा तीन महीने बढघकर 16 जुलाई कर दी है। गौरतलब है कि कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल (आरकैप) के कर्जदाता नीलामी का दूसरा चरण आयोजित करने पर सहमत हुए हैं। पिछली समयसीमा 16 अप्रैल को खत्म हो चुकी है। सूत्रों ने कहा कि 90 दिनों की समयसीमा बढाने की जरूरत थी, क्योंकि कर्जदाताओं ने 26 अप्रैल को दूसरे दौर की नीलामी आयोजित करने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, जिन बोलीदाताओं ने नीलामी के दूसरे दौर में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है, उनमें हिंदुजा समूह की इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआई एचएल), टोरेंट इंवेस्टमेंट और सिंगापुर स्थित ओकट्री शामिल हैं। इससे पहले दूसरे दौर की नीलामी 11 अप्रैल को होनी थी लेकिन बोलीदाताओं द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों को सुलझाने के लिए इसे 26 अप्रैल के लिए टाल दिया गया। सूत्रों ने कहा कि बोलीदाताओं ने रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि दूसरे दौर की नीलामी पूरी होने के बाद आगे कोई बातचीत नहीं होगी और इसके बाद समाधान प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा।

आरकैप की समाधान प्रक्रिया को पूरा करने की समयसीमा पहले भी कई बार बढघई जा चुकी है। बोलीदाताओं की प्रमुख चिंता दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता (आईबीसी) और समाधान योजना के लिए अनुरोध (आरएफआरपी) दिशानिर्देशों के अनुसार प्रक्रिया को पूरा करने को लेकर है। ऐसा इसलिए है क्योंकि नीलामी के पहले दौर में हिंदुजा समूह की कंपनी की बोली नीलामी के बाद जमा की गई थी। गत दिसंबर में हुई पहले दौर की नीलामी में टॉरेंट ने सर्वाधिक 8,640 करोड रुपए की बोली लगाई थी। हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल ने पहले 8,110 करोड रुपए की बोली लगाई थी, जिसे बाद में उसने संशोधित कर 9,000 करोड रुपए करने का प्रस्ताव रखा था।

जूनियर एनटीआर संग एक्शन करते दिखेंगे सैफ अली खान, इस फिल्म से करने जा रहे हैं साउथ डेब्यू

साउथ सिनेमा का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है और बॉक्स ऑफिस पर भी साउथ फिल्में का धूम देखने को मिल रही है। इसी के चलते कई बॉलीवुड स्टार्स ने साउथ इंडस्ट्री का रुख कर लिया है। वहीं अब इस लिस्ट में एक नया नाम भी शामिल हो गया है। हिंदी सिनेमा के जाने-माने एक्टर सैफ अली खान अब साउथ का रुख कर लिया है। जी हां बी-टाउन के दमदार एक्टर सैफ अली खान अब साउथ फिल्मों में अपने अभिनय का जादू चलाते नजर आएंगे। आरआरआर एक्टर जूनियर एनटीआर की अगली तेलुगू फिल्म से सैफ अपना साउथ डेब्यू करने जा रहे हैं। जूनियर एनटीआर की फिल्म एनटीआर 30 के सेट से दोनों एक्टर्स की तस्वीरें भी सामने आई हैं। सैफ अली खान ने अपनी साउथ डेब्यू फिल्म की शूटिंग भी शुरु कर दी है। खास बात ये है कि इस फिल्म से ना सिर्फ सैफ बल्कि बॉलीवुड की यंग एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर भी साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म को साउथ डायरेक्टर कोरतल्ला शिवा बना रहे हैं। दिलचस्प बात ये है कि सैफ अली खान अपनी फर्स्ट तेलुगू फिल्म में विलेन के रोल में नजर आएंगे। सैफ को विलेन के किरदार में दर्शक इससे पहले अजय देवगन स्टारर तन्हाजीरू द अनसंग वारियर में देख चुके हैं। तन्हाजीरू द अनसंग वारियर में सैफ के रोल को फैंस ने काफी पसंद किया था। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में जूनियर एनटीआर की तारीफ करते हुए सैफ ने कहा, ओह, एनटीआर बहुत ही फ्रेंडली, चार्मिंग और सुपर पैशनेट हैं! इस फिल्म को लेकर जूनियर एनटीआर खुद बहुत उत्साहित हैं और उनकी अलग ही प्लानिंग है। इस फिल्म में दोनों ही एक्टर्स पहली बार स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। फिल्म में अपने रोल के बारे में बताते हुए एक्टर ने बताया कि मेरा रोल काफी कूल है। मैं अपने किरदार के लिए काफी मेहनत कर रहा हूं, ताकि लोगों की उम्मीद से बढ़कर मैं इसे अदा कर सकूं। फिलहाल फिल्म का टाइटल तय नहीं हुआ है लेकिन बताया जा रहा है कि फिल्म 5 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी।

›› बॉलीवुड ‹‹

जब फिर एक बार अपने सबसे छोटे बेटे को लेकर ये बड़ी बात बोलते नजर आये किंग खान, कहा- वो इतना कन्फ्यूज्ड हैं क्योंकि

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान ने एक बार फिर अपने सबसे छोटे बेटे अबराम खान और उनके अजीब ऑल-इंडिया लहजे के बारे में बात की। क्योंकि उनके घर पर अलग-अलग लोग अलग-अलग भाषाओं में बात करते हैं। अभिनेता के पत्नी गौरी खान के साथ तीन बच्चे हैं-आर्यन खान, सुहाना खान और अबराम। उनका तीसरा बच्चा 2013 में सरोगेसी के जरिए पैदा हुआ था। 2016 में दिल्ली में आयोजित एक विशेष द कपिल शर्मा शो के दौरान, होस्ट कपिल शर्मा ने अतिथि शाहरुख खान से अबराम के बारे में पूछा था और तीन साल के बच्चे के रूप में वह क्या मांग करता है। शाहरुख ने तब जवाब दिया था कि वह कुछ भी नहीं मांगते क्योंकि वह बहुत मासूम हैं। उन्होंने आगे कहा था, वो इतना कंफ्यूज है क्योंकि हमारे घर में सब मराठी बोलते हैं। हम दिल्ली वाली भाषा बोलते हैं। कुज लोग, बेटे जो हैं अंग्रेजी बोलते हैं। और उनकी जो नैनी है ना वो मलयालम बोलती है। का जो है, जब बात करते हैं तो इतनी अजीब तरह से बात करते हैं, पापा पापा यह बहुत भारी है। करता है वो। भारतीय, आधा मराठी। वह वास्तव में एक देशभक्त अखिल भारतीय बच्चा है, सभी भाषाओं में बात करता है। कपिल ने उन्हें सलाह दी थी, पर मेरी रिक्वेस्ट है भाई पूरे हिंदुस्तान की तरफ से। आपका बेटा बहुत ही प्यारा है अबराम लेकिन आप हमें हिंदी जरूर सिखाएंगे। उचित दक्षिण भारतीय सिखग्या तो कैसा लगेगा शाहरुख खान का बेटा (लेकिन मैं आपसे पूरे देश की ओर से अनुरोध करता हूं कि कृपया उन्हें हिंदी सिखाएं। शाहरुख खान के बेटे को सही दक्षिण भारतीय भाषा बोलते हुए देखना कैसा लगेगा)। अबराम अपने छोटे दिनों में पपराजी के पसंदीदा थे। वह शाहरुख के साथ इवेंट्स और आईपीएल मैचों में भी जाया करते थे।

वामिका को डेट पर ले जाने वाले आईपीएल किड पर क्या बोलती नजर आई कंगना, एक्ट्रेस ने कही ऐसी बात की हो गये सब हैरान

बॉलीवुड पन्गा क्वीन कंगना रनौत ने कुछ दिनों पहले एक आईपीएल मैच के दौरान एक बच्चे द्वारा पकड़े गए वायरल प्लेकार्ड पर अब अपनी प्रतिक्रिया दी है। एमएस धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स (सीकेएस) के खिलाफ आरसीबी (रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर) के मैच के दौरान, विराट कोहली के लिए प्लेकार्ड पकड़े एक लड़के की तस्वीर ने सोशल मीडिया पर नेटिजन्स का ध्यान अपनी ओर काफी खींचा था। एक ब्राउन कार्ड बोर्ड को पकड़े बच्चे ने विराट और अभिनेता-पत्नी अनुष्का शर्मा से स्पेशल रिक्वेस्ट किया। जिसपर बच्चे ने लिखा था, हाय विराट अंकल। क्या मैं वामिका को डेट पर ले जा सकता हूं? बच्चे की वायरल तस्वीर पर प्रतिक्रिया देते हुए, कंगना ने ट्विटर पर लिखा और हिंदी में लिखा, मासूम बच्चों को ये बेहुदा बाते ना सिखाए, इसे आप मॉडर्न या कूल नहीं अश्लील या फोल लगते हो। (मासूम बच्चों को ये बकवास मत सिखाओ, ये आपको भद्दा और मूर्ख दिखता है, आधुनिक या कूल नहीं।) आजकल लोग अपने बच्चों को मेट्रो सेहत के रेस्टोरेंट बार (जहां शराब भी मिलती है) में ले जा रहे हैं। मैंने जो अपनी आंखों से देखा है वह बता रहा हूं। देखकर हैरान रह गया।) एक और कमेंट पढ़ें, सच है, बच्चे बहुत इम्प्रेसिव होते हैं और हर बात को अपने दिमाग में बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर देते हैं। मां-बाप अनजाने में उनके साथ इस तरह की बातों में उलझा देते हैं। वीन हमेशा सही होती है, एक अन्य प्रशंसक ने कहा। तस्वीर ने इंटरनेट को हिला कर दिया था जहां कई लोगों ने ध्यान आकर्षित करने के लिए इस तरह के अजीब और डरावना अनुरोध करने के लिए लड़के के माता-पिता को बुलाया। एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, मैं यह कल्पना करने के लिए कांप जाता हूं कि बच्चे के माता-पिता कितने खौफनाक और असंवेदनशील हैं। बच्चा मासूम दिखता है-अक्सर यह माता-पिता बच्चों को गलत रास्ते पर ले जाते हैं। यह सब कैमरा टाइम के लिए? माता-पिता को इस तरह के भयानक पालन-पोषण के लिए सार्वजनिक रूप से बुलाया जाना चाहिए। बीमार। दूसरे ने कहा। इससे पहले विराट और अनुष्का ने पपराजी से आग्रह किया था कि वे अपनी बेटी वामिका की तस्वीरें न खींचकर उसकी प्राइवेसी की रेस्पेक्ट करें। जबकि हम हमेशा यह कन्फर्म करेंगे कि आपको हमारी हर एक लेटेस्ट अपडेट्स टाइम-टाइम पर मिलती रहे, हम आपसे अनुरोध करेंगे कि कृपया ऐसी कोई भी चीज न लें या ले जाएँ जिसमें हमारी बच्ची कवर हो। हम जानते हैं कि आप समझेंगे कि हम कहां से आ रहे हैं और इसके लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं।

रवि किशन की फिल्म 1922 प्रतिकार चौरी- चौरा 30 जून को हो रही रिलीज

लखनऊ। फिल्म अभिनेता और सांसद रवि किशन के मुख्य अभिनय से सजी फिल्म 1922 प्रतिकार चौरीचौरा 30 जून को रिलीज होने जा रही है। सौ साल पहले 1922 में अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिला के चौरी चौरा गांव में जनता ने आवाज बुलंद की थी। इस क्रांतिकारी बगावत की वजह से कई क्रांतिकारी शहीद हुए। चौरी चौरा की घटना के 100 वर्ष पूरे होने पर इस घटना पर आधारित फिल्म '1922 प्रतिकार चौरी चौरा' अब रिलीज के लिए तैय्यार है। निर्माता निर्देशक अभिक भानु की इस फिल्म में रवि किशन ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर उत्सुकता जगाई है और लोग अनसुनी सच्चाई को बड़े पर्दे पर देखने को बेताब हैं। फिल्म हमारे देश के रियल हीरोज के बारे में है जिन्होंने जुल्म के विरुद्ध क्रांति की और अपनी जान भी गंवाई। उस घटना की सच्चाई को निर्देशक अभिक भानु इस सिनेमा के द्वारा लेकर आ रहे हैं, जो सरायु विजन द्वारा प्रस्तुत की जा रही है। सार्थक सिनेमा द्वारा इसे पूरे भारतवर्ष में रिलीज किया जा रहा है। इस सिनेमा में चौरीचौरा आंदोलन के हीरो रहे भगवान अहीर का किरदार मशहूर फिल्म अभिनेता रवि किशन ने निभाया है, वहीं भारतेन्दु नाट्य अकादमी के चेयरमैन रविशंकर खरे ने पंडित मदन मोहन मालवीय के चरित्र को निभाया है। कलाकारो में ममता जीतवानी, विजय त्रिवेदी, सपना त्रिवेदी का नाम भी उल्लेखनीय है। फिल्म में ममता जितवानी का अभिनय बहुत ही सराहनीय है। फिल्म में सौरभ शुक्ल, अनिल नागरथ, उपेन्द्र पांडेय, दीप शर्मा, पवन पांडेय, त्रिशू राज, विजय डे ने भी अभिनय किया है। रवि किशन का कहना है कि चौरीचौरा का इतिहास स्कूलों में पढ़ाना और परदे पर दिखाना काफी आवश्यक है। कुछ लोगों ने चौरीचौरा की क्रांति के असल रूप को दबाया। ऐसा करना हमारे देश के क्रांतिकारियों के साथ एक धोखा है। हम और हमारी आने वाली पीढ़ी भी यह जानना चाहेगी कि हमारे अतीत में क्घ्या घटित हुआ था। देखा जाए तो पूर्वांचल के वे क्रांतिकारी असली हीरो थे, जिनका नाम कभी इतिहास में दर्ज नहीं किया गया। इस फिल्म के माध्यम से जनता तक उन क्रांतिकारियों के बलिदान को पहुंचाने की कोशिश की गई है। निर्माता निर्देशक अभिक भानू ने कहा कि जब मैंने यह सुना कि चौरी चौरा घटना में काफी तथ्यों को छुपाया गया है तो मैंने इस विषय पर सिनेमा बनाने का सोचा। उसके बाद हमने काफी गहरा शोध किया। रिसर्च के दौरान कई ऐसे दस्तावेज मिले, जिनमें ढेर सारे अनसुने और अनकहे तथ्य सामने आए। इस घटना पर शाहिद अमीन और प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी की लिखी पुस्तकों सहित कई किताबो को पढ़ा। उस वक्त इस घटना को कांड कहा गया जबकि हमने फिल्म के ट्रेलर में भी कहा है कि वह कांड नहीं क्रांति थी। सरायु विजन के बैनर तले बनी फिल्म 1922 प्रतिकार चौरीचौरा के निर्माता निर्देशक अभिक भानू, डीओपी मनोज गुप्ता, संगीतकार शुभांश तिवारी हैं। फिल्म के सह निर्माता अनुज खरे।

›› बॉलीवुड ‹‹

राउडी राठौर 2' से कटा सिद्धार्थ मल्होत्रा का पत्ता, कियारा आडवाणी संग रोमांस करेंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही हैं। ऐसे में उनकी सुपरहिट फिल्मों के सीक्वल से एक्टर को रिप्लेस करने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। आवारा पागल दीवाना और वेलकम के सीक्वल के बाद अब खिलाड़ी कुमार की फिल्म राउडी राठौर के सीक्वल की चर्चा जोरों पर है। अब श्राउडी राठौर 2 को लेकर नया अपडेट सामने आया है। राउडी राठौर में अक्षय कुमार और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में नजर आए थे। मगर पिछले दिनों खबर थी कि इस फिल्म के सीक्वल श्राउडी राठौर 2 से मेकर्स दोनों ही लीड एक्टर्स को रिप्लेस कर उनकी जगह सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी को कास्ट करने के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक ये सभी खबरें अफवाहा बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि डायरेक्टर अनीस बज्मी ने अब तक प्रड्यूसर संजय लीला भंसाली से सिर्फ फिल्म के डायरेक्शन की बात की है। खबर में सूत्रों के हवाले से ये दावा किया गया है कि डायरेक्टर और प्रड्यूसर में अब तक अक्षय कुमार को रिप्लेस करने के बारे में कोई बात नहीं हुई है। हालांकि सोनाक्षी की जगह कियारा के नाम पर जरुर विचार किया जा रहा है। फिल्म में लीड रोल के लिए कियारा के नाम पर सोच-विचार किया जा रहा है इसलिए लोग चाहते हैं कि अक्षय की जगह राउडी राठौर 2 में एक्ट्रेस पति सिद्धार्थ की एंट्री हो जाए। हालांकि अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। मगर कहा जा रहा है कि अनीस बज्मी फिल्म में अक्षय और कियारा की जोड़ी को कास्ट करना चाहते हैं। बता दें कि फिल्म लक्ष्मी में अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी की जोड़ी एक-साथ नजर आ चुकी है। इसके अलावा दोनों फिल्म गुड न्यूज में भी साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में डायरेक्टर अनीस बज्मी इस जोड़ी को एक बार फिर पर्दे पर उतारना चाहते हैं। अनीस बज्मी अभी शाहिद कपूर के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट की तैयारियों में लगे हैं।

सलमान खान की इस गोल्ड और डायमंड से जड़ी घड़ी पर अटकी सबकी नजरें, हैरान कर देगी कीमत

सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म शिकसी का भाई किसी की जान के प्रमोशन में बिजी हैं। एक्टर की फिल्म ईद के खास मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। कल ये फिल्म रिलीज हो जाएगी, जिसे लेकर भाईजान के साथ-साथ उनके फैंस भी बेहद एक्साइटेड हैं। हर कोई फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है क्योंकि सलमान ने इस फिल्म का जोरदार प्रमोशन किया है। वो भी न सिर्फ शोज में बल्कि सोशल मीडिया पर भी। आपको बता दें, सलमान इन दिनों अपने अलग-अलग लुक और फिटनेस से लोगों को हैरान कर रहे हैं। उनके सोशल मीडिया अकाउंट से लगातार नई-नई तस्वीरें सामने आ रही हैं। वैसे तो अक्सर एक्टर अपने सादगी भरे अंदाज से लोगों का दिल जीत लेते हैं, लेकिन इस बार फैंस का ध्यान भाईजान की घड़ी ने खींचा है। सलमान खान ने हाल ही में एक ऐसी घड़ी पहनी जिसपर सबकी निगाहे टिक गईं। ये घड़ी इतनी महंगी है कि इसकी कीमत सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। आपको बता दें, कुछ दिनों पहले एक्टर ने इंस्टाग्राम पर व्हाइट टी-शर्ट में टेबल पर हाथ रखे हुए एक अपनी एक तस्वीर शेयर की थी। इस दौरान सलमान खान ने अपने हाथ में रोलेक्स घड़ी पहनी थी। इसके अलावा कई मौकों पर सलमान खान ये घड़ी पहने हुए नजर आ चुके हैं। ये कोई मामूली घड़ी नहीं, बल्कि एक लग्जरी घड़ी है।

स्टार एक्सप्रेस स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक नरेन्द्र कुमार द्वारा सांई ऑफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन, कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं एमजी-18, सेक्टर-सी, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक: नरेन्द्र कुमार । (पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. No.- UPHIN/2008/24076 Email Id : starexpressnews@gmail.com